RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर। मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 309 ता. 20 मई 2021, गुरूवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

वैक्सीन के एक्सपोर्ट पर सीरम ने तोड़ी चुप्पी, कहा- भारत के लोगों के जीवन की कीमत पर कभी टीके निर्यात नहीं किए

नई दिल्ली। भारत में कोविशील्ड बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने मंगलवार को कहा कि उसने भारत के लोगों के जीवन की कीमत पर कभी टीके निर्यात नहीं किए और वह देश में टीकाकरण मुहिम को सहयोग देने को लेकर प्रतिबद्ध है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि पिछले कुछ दिनों से सरकार और सीरम समेत भारतीय टीका निर्माताओं के टीके निर्यात करने के फैसले पर काफी चर्चा चल रही है। सीरम यानी एसआईआई ने टीके निर्यात करने के फैसले की पृष्ठभूमि में कहा, जनवरी 2021 में हमारे पास टीके की खुराकों का काफी भंडार था। हमारी टीकाकरण मुहिम सफलतापूर्वक शुरू हो गई थी और प्रतिदिन सामने आने वाले मामलों की संख्या सबसे कम दर्ज की जा रही थी। उसने कहा कि इसी बीच विश्व में कई अन्य देश गंभीर संकट से जूझ रहे थे और उन्हें मदद की बहुत आवश्यकता थी। भारत सरकार ने ऐसे समय में हर संभव मदद की। एसआईआई ने कहा, भारत ने हाइड्रोक्लोरोक्वीन और टीकों का निर्यात करके अन्य देशों की मदद की है, इसलिए आज इसी के बदले अन्य देश हमारी मदद कर रहे हैं। उसने कहा कि यह महामारी किसी भौगोलिक या राजनीतिक सीमाओं में सीमित नहीं है। एसआईआई ने कहा, जब तक वैश्विक स्तर पर हर कोई इस वायरस को हरा नहीं देता, तब तक हम सुरक्षित नहीं होंगे। इसके अलावा, हमारे वैश्विक गठबंधनों के मद्देनजर कोवैक्स के प्रति भी हमारी प्रतिबद्धताएं हैं, ताकि वे वैश्विक महामारी को खत्म करने के लिए टीकों का वैश्विक स्तर पर वितरण कर सकें।% उसने कहा कि एक और महत्वपूर्ण बात जिसे लोग समझ नहीं रहे हैं, वह यह है कि भारत सबसे अधिक आबादी वाले दुनिया के शीर्ष दो देशों में शामिल हैं और इतनी अधिक जनसंख्या के लिए टीकाकरण मुहिम दो-तीन महीने में पूरी नहीं हो सकती।

नितिन गडकरी ने बताया, कैसे 15-20 दिनों में खत्म हो सकती है वैक्सीन की किल्लत

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सुझाव दिया कि कोरोना वैक्सीन की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए कुछ और दवा कंपनियों को इसके उत्पादन की मंजूरी दी जानी चाहिए। नितिन गडकरी ने यह बात विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करते हुए कही।

कंपनियों को मंजूरी देने के लिए बनाया जाए कानून

उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस बारे में आग्रह करेंगे कि देश में जीवन रक्षक दवाओं का उत्पादन बढ़ाने के लिए और दवा कंपनियों को मंजूरी देने के लिए कानून बनाया जाना चाहिए। इसमें दवा के पेटेंट धारक को अन्य दवा कंपनियों द्वारा 10 प्रतिशत रॉयल्टी देने की व्यवस्था की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा, ''यदि टीके की आपूर्ति के मुकाबले उसकी मांग अधिक होगी तो इससे समस्या खड़ी होगी। इसलिए एक कंपनी के बजाय 10 और कंपनियों को टीके का उत्पादन करने में लगाया जाना चाहिए। इसके लिए टीके के मूल पेंटेंट धारक कंपनी को दूसरी कंपनियों द्वारा दस प्रतिशत रॉयल्टी का भुगतान किया जाना चाहिए।'' उन्होंने आगे भी कहा कि पहले देश में सप्लाई पूरी हो जाए, उसके बाद वैक्सीन का आयात किया जाए।

दो कंपनियां ही कर रही हैं उत्पादन

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस संबंध में पत्र लिखकर कहा कि केंद्र को टीका बनाने वाली दोनों कंपनियों का फार्मूला अन्य सक्षम दवा विनिर्माता कंपनियों को देना चाहिए ताकि टीके का उत्पादन बढ़ाया जा सके। वर्तमान में देश में कोरोना रोधी टीके का उत्पादन दो कंपनियां कर रही हैं। पहली भारत बायोटेक जो कोवैक्सिन टीका बना रही है और दूसरी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया जो कि कोविशील्ड का उत्पादन कर रही है।

केजरीवाल ने कहा कि इन दोनों कंपनियों को दूसरी कंपनियों द्वारा टीका उत्पादन से होने वाले मुनाफे में से रायल्टी दी जा सकती है। देश में फिलहाल तीन टीकों को ही इस्तेमाल की अनुमति मिली है -- कोवैक्सीन, कोविशील्ड और स्पुतनिक- वी। डा. रेड्डीज लैब स्पुतनिक-वी का रूस से आयात कर रही है। फिलहाल देश में इसकी उपलब्धता व्यापक स्तर पर नहीं है।

वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस बारे में आग्रह करेंगे कि देश में जीवन रक्षक दवाओं का उत्पादन बढ़ाने के लिए और दवा कंपनियों को मंजूरी देने के लिए कानून बनाया जाना चाहिए। इसमें दवा के पेटेंट धारक को अन्य दवा कंपनियों द्वारा 10 प्रतिशत रॉयल्टी देने की व्यवस्था की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा, ''यदि टीके की आपूर्ति के मुकाबले उसकी मांग अधिक होगी तो इससे समस्या खड़ी होगी। इसलिए एक कंपनी के बजाय 10 और कंपनियों को टीके का उत्पादन बढ़ाने के लिए कानून बनाया जाना चाहिए। इसमें दवा के पेटेंट धारक को अन्य दवा कंपनियों द्वारा 10 प्रतिशत रॉयल्टी देने की व्यवस्था की जानी चाहिए।

होम आइसोलेशन में रह रहे कोरोना मरीजों के लिए रेमडेसिविर पर रोक

नई दिल्ली। दिल्ली में होम आइसोलेशन में रहने वाले कोरोना संक्रमितों के लिए स्वास्थ्य विभाग ने नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सरकार की ओर से घरों में रेमडेसिविर और स्टेरॉयड के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। होम आइसोलेशन में रहने वाले सभी मरीजों के लिए ऑक्सीमीटर रखना अनिवार्य कर दिया गया है। दिल्ली में सरकार की ओर से भी ऑक्सीमीटर फ्री में दिए जाते हैं, साथ ही लोगों को निजी रूप से भी ऑक्सीमीटर रखना अनिवार्य कर दिया है। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि बिना डॉक्टरी सलाह के रेमडेसिविर का इस्तेमाल करना खतरनाक साबित हो सकता है।

कई मामलों में यह जानलेवा भी साबित हो सकता है। साथ ही मरीजों को स्टेरॉयड लेने से भी मना किया गया है। दिशा-निर्देश में कहा गया है कि स्टेरॉयड लेने के लिए जब तक डॉक्टर सलाह न दें या डॉक्टर की निगरानी में इन्हें लेने की व्यवस्था न हो, तब तक कोई मरीज इन्हें न ले। ज्ञात हो कि दिल्ली में होम आइसोलेशन में रहने वाले मरीजों की संख्या 31197 है। ऐसे मरीजों की देखभाल के लिए दिल्ली सरकार की ओर से प्रतिदिन कॉल कर मरीजों को मेडिकल सहायता दी जाती है।

9 शहरों के हेल्थ वर्कर्स को खाना पहुंचा रही एयरलाइन केटरिंग कंपनी ताज सैट्स

नई दिल्ली। कोरोना काल में मरीजों से लेकर स्वास्थ्यकर्मियों तक को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में एयरलाइन केटरिंग कंपनी ताज सैट्स ने वर्ल्ड सेंट्रल किचन के सहयोग से 9 प्रमुख शहरों में स्वास्थ्य कर्मियों को भोजन उपलब्ध करा रहा है। ताज सैट्स के सीईओ ने कहा ÷हम चिकित्सा कर्मचारियों और सरकारी विभागों को एक दिन में 17,000-18,000 भोजन प्रदान करते हैं। हम छोटे क्षेत्रों में भी सप्लाई करने की कोशिश कर रहे हैं, इसकी शुरुआत वाराणसी की गई है।÷

देश में कोरोना के नए केसों में बीते कुछ दिनों से गिरावट देखी जा रही है, मगर मौत के आंकड़े टेंशन पैदा कर रहे हैं, क्योंकि जब कोरोना पीक पर था, तब भी मौत के मामले इतने नहीं आ रहे थे। मंगलवार को देश में एक दिन में कोरोना से 4525 लोगों की मौतें हुई हैं, जो अब तक की सर्वाधिक संख्या है। जब देश में 6 मई को देश में कोरोना के सबसे अधिक मामले (4.14 लाख) आए थे, उस दिन कोरोना से 3920 लोग ही मरे थे।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, भारत में बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस के 267174 नए केस आए हैं, जो कि कल के मुकाबले करीब पांच हजार केस अधिक हैं। कल एक दिन पहले 2.63 लाख कोरोना केस आए थे और मौतों की संख्या भी कम होकर 4340 दर्ज की गई थी। आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोरोना के कुल मामलों की संख्या 25495144 पहुंच गई है। इनमें से एक्टिव केसों की संख्या 21979703 है। आज यानी मंगलवार को करीब 3.89 लाख से अधिक कोरोना मरीज ठीक हुए हैं। सोमवार को देश में पहली बार एक दिन में कोरोना संक्रमण से 4.2 लाख से ज्यादा लोग ठीक हुए थे।

छोटा राजन की भतीजी प्रियदर्शनी निकल्जे जबरन वसूली मामले में गिरफ्तार

नई दिल्ली। अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन की भतीजी प्रियदर्शनी निकल्जे को महाराष्ट्र में पुणे पुलिस की अपराध शाखा ने जबरन वसूली मामले में वानोवरी से गिरफ्तार किया है।पुलिस ने एक आरोपी को जबरन वसूली के मामले में पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। जबकि अन्य की तलाश की जा रही है। विशेष रूप से केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा 22 जनवरी को छोटा राजन और उसके सहयोगियों के खिलाफ हत्या, जबरन वसूली और आपराधिक साजिश के आरोप में चार नए मामले दर्ज किए गए थे। मामले में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। इस महीने की

शुरुआत में, अंडरवर्ल्ड डॉन राजेंद्र निखलजे उर्फ छोटा राजन को कोविड -19 इलाज के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया था और 11 मई को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। एम्स के अधिकारियों ने कहा, 'अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन को कोविड -19 से ठीक होने के बाद एम्स से छुट्टी मिल गई है।' 61 वर्षीय गैंगस्टर को 26 अप्रैल को एम्स में भर्ती कराया गया था। छोटा राजन को 2015 में इंडोनेशिया के बाली से गिरफ्तार किए जाने के बाद भारत भेज दिया गया था। तब से वह दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। 2018 में, छोटा राजन को पत्रकार जे डे की हत्या के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

देश की सिर्फ 2 प्रतिशत आबादी में कोरोना, 98 फीसदी लोगों को अब भी संक्रमण का खतरा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर में दो फीसदी आबादी प्रभावित हुई है। यानी 98 फीसदी आबादी को अभी भी संक्रमण में आने का खतरा है इसलिए लोगों को सभी सावधानियां बरतनी चाहिए। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि अभी तक सामने आए संक्रमण की इतनी अधिक संख्या के बावजूद हम दो फीसदी से कम आबादी तक इसे सीमित रखने में सफल हुए हैं।

संक्रमण में कमी

अग्रवाल ने कहा कि पिछले 15 दिनों में उपचाराधीन मामलों की संख्या में लगातार कमी आ रही है। तीन मई को सक्रिय रोगी 17.13 फीसदी थे जो अब

घटकर 13.3 फीसदी रह गए हैं। इसी प्रकार स्वस्थ होने वाले लोगों का प्रतिशत भी 81.7 से बढ़कर 85.6 हो गया है। आठ राज्यों में कोविड-19 के एक लाख से अधिक मामले हैं और 22 राज्यों में संक्रमण की दर 15 फीसदी से अधिक है। यह आंकड़ा लगातार घट रहा है। महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, दिल्ली, बिहार, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में कोविड-19 के मामलों में कमी आई है और संक्रमण दर भी कम हुई है। जबकि 199 जिलों में कोविड-19 के मामलों और संक्रमण दर में पिछले दो हफ्ते में कमी आई है। जहां सरकार की ओर से 2 प्रतिशत का दिया आंकड़ा देशभर में अभी तक दर्ज हुए कोरोना संक्रमितों के कुल मामलों पर आधारित है तो वहीं आईसीएमआर द्वारा कराया गया सीरो सर्वे कुछ और ही कहता है। इस सर्वे के मुताबिक, बीते साल दिसंबर मध्य तक देश की आबादी का पांचवां हिस्सा यानी 21.4 प्रतिशत लोग कोरोना वायरस के संपर्क में आ चुके हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि भारत में 1.8 प्रतिशत आबादी कोरोना से प्रभावित हुई है जबकि अमेरिका की 10.1 फीसदी, ब्राजील की 7.3 फीसदी, फ्रांस की 9 फीसदी और इटली की 7.4 फीसदी आबादी कोरोना संक्रमित हुई है।

सिंगापुर वेरिएंट पर नजर

बच्चों में तेजी से फैल रहे कोरोना वायरस के सिंगापुर वेरिएंट के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इस बार में जानकारी एकत्र की जाएगी।

छह महीने के अंदर कभी भी ले सकते हैं कोविशील्ड वैक्सीन की दूसरी डोज, विशेषज्ञों की राय

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के खिलाफ भारत में दी जा रही वैक्सीन कोविशील्ड की दो डोज के बीच अंतर को देश में इनदिनों बहस छिड़ी हुई है। हर तरफ इसको लेकर लोग चर्चा कर रहे हैं। देश के लोगों में चार से छह हफ्ते, छह से आठ हफ्ते या आठ से 12 हफ्ते के अंतराल को लेकर भ्रम बना हुआ है। भारत ने इस अंतराल को जहां और बढ़ा दिया है, वहीं ब्रिटेन ने इसे घटा दिया है।

इस बीच, विशेषज्ञों ने कहा है कि आप छह महीने के भीतर कभी भी कोविशील्ड की दूसरी डोज ले सकते हैं और यह बूस्टर डोज की तरह काम करेगी यानी प्रभावी तरीके से। जाने-माने प्रतिरक्षा विज्ञानी सत्यजीत रथ ने कहा है कि वैक्सीन की पहली डोज लेने के चार हफ्ते के बाद से लेकर छह महीने के अंदर कभी भी दूसरी डोज ली जा सकती है।

टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह की सिफारिशों पर सरकार ने पिछले हफ्ते कोविशील्ड की दो डोज के बीच अंतराल को बढ़ाकर 12-16 हफ्ते कर दिया था। पहले यह छह-आठ हफ्ते का था। इसके एक दिन बाद ही ब्रिटेन ने भारत में पाए गए कोरोना वायरस के बी.1.617 वैरिएंट के तेज प्रसार को देखते हुए अपने यहां इस अंतराल को 12 हफ्ते से घटाकर आठ हफ्ते कर दिया।

कोविशील्ड की दो डोज के बीच अंतराल को देश में चर्चा है। वैक्सीन के चार से छह हफ्ते छह से आठ हफ्ते या आठ से 12 हफ्ते के अंतराल को लेकर लोगों में भ्रम है। विशेषज्ञों की राय- 4 हफ्ते बाद 6 महीने तक कभी भी लें दूसरी डोज।

मंत्रालय का यह भी कहना है कि कोरोना वायरस से संक्रमण मुक्त होने वाले लोगों को चार से आठ हफ्ते के बाद ही वैक्सीन लगवानी चाहिए।

वैक्सीन की दूसरी डोज को लेकर विशेषज्ञों की राय

जाने माने प्रतिरक्षा विज्ञानी सत्यजीत रथ ने कहा कि दो डोज के बीच अंतराल बहुत लचीला है। चार हफ्ते के बाद छह महीने के भीतर कभी भी दूसरी डोज ली जा सकती है। उनका कहना है कि वैक्सीन की डोज कभी लेना सुरक्षित है, लेकिन चार हफ्ते के पहले ही दूसरी डोज लेने पर उसका ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ेगा। वहीं प्रतिरक्षा विज्ञानी विनीता बल ने कहा अंतराल बढ़ाने जैसे फैसले कई तथ्यों को ध्यान में रखकर किए जाते हैं। अधिकतम अंतराल पर दूसरी डोज सबसे ज्यादा प्रतिरक्षा प्रदान करेगी।

सार समाचार

स्वास्थ्यकर्मियों की सेवाकाल के दौरान मृत्यु होने पर सरकारी अनदेखी दुखद: मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने कोरोना योद्धाओं, चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों के सेवाकाल के दौरान बीमार होने व उनकी मृत्यु होने पर बुधवार को गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने ट्वीट किया, देश भर में कोरोना योद्धाओं के रूप में सम्मानित खासकर चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों के सेवाकाल के दौरान बीमार होने या उनकी मृत्यु होने पर सरकारों की घोर अनदेखी व उपेक्षा की खबरें अति-दु:खद हैं। उनकी सुरक्षा आदि के बारे में सरकारों को पूरी तरह से गंभीर होने की सख्त जरूरत है। बसपा नेता ने दूसरे ट्वीट में कहा, इसी प्रकार, यूपी में पंचायत चुनाव की ड्यूटी निभाने वाले शिक्षकों व अन्य सरकारी कर्मचारियों की कोरोना वायरस संक्रमण से मौत की शिकायतें आम हो रही हैं, लेकिन इनकी सही जाँच न होने के कारण इन्हें उचित सरकारी मदद भी नहीं मिल पा रही है, जो घोर अनुचित है। सरकार इस पर तुरन्त ध्यान दे।

जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ की बड़ी कोशिश नाकाम, सीमा सुरक्षबलों ने पाकिस्तानी नागरिक को किया गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू कश्मीर के सांबा जिले में सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुये अंतरराष्ट्रीय सीमा से एक पाकिस्तानी नागरिक को मंगलवार रात घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि पिछले एक पखवाड़े में सांबा सेक्टर में घुसपैठ का यह दूसरा मामला है। एक अधिकारी ने बताया कि एक पाकिस्तानी नागरिक को अंधेरे में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भारतीय क्षेत्र में घुसने की कोशिश करते देखा गया।

उन्होंने बताया कि सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने गोलियां चलायीं और एक गोली घुसपैठिये की पीठ में लगी। उन्होंने बताया कि इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया और उसका इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि एक अन्य घटनाक्रम में सुरक्षा बलों ने प्रदेश के पुंछ जिले से मंगलवार को दो पिस्तौल और 11 हथगोले बरामद किये। इस बीच, रामबन जिले में पुलिस ने बताया कि एक वाहन के फिसलकर 150 फुट गहरी खायी में गिर जाने की घटना में शकील अहमद (19) की मौत हो गयी, जबकि दो अन्य लोग घायल हो गये।

नारद मामला: उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार तक सुनवाई स्थगित की, जेल में ही रहेंगे नेता

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने नारद स्टिंग टेप मामले में सुनवाई बृहस्पतिवार के लिये स्थगित कर दी। इस मामले में पश्चिम बंगाल के दो मंत्री, एक विधायक और कोलकाता के पूर्व महापौर को सीबीआई ने गिरफ्तार किया है। उच्च न्यायालय में बुधवार को सुनवाई स्थगित होने के कारण मंत्री सुब्रत मुखर्जी और फिरहाद हाकिम, तृणमूल कांग्रेस के विधायक मदन मित्रा और कोलकाता के पूर्व महापौर सोवन चटर्जी न्यायिक हिरासत में रहेंगे। इस मामले में सुनवाई स्थानांतरित करने की सीबीआई की याचिका और सोमवार को सीबीआई की एक अदालत द्वारा दिए गए जमानत पर उच्च न्यायालय के स्थगन को वापस लेने की चारों नेताओं की याचिका पर मुख्य न्यायाधीश राजेश बिंदल और न्यायमूर्ति अरिजीत बनर्जी की पीठ बृहस्पतिवार को सुनवाई करेगी। नारद स्टिंग मामले में सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए गए चारों नेताओं को निचली अदालत ने जमानत दे दी थी लेकिनउच्च न्यायालय ने सोमवार की रात ही इस आदेश पर रोक लगा दी थी।

शैलजा को मंत्रिमंडल में शामिल न करना राजनीतिक और संगठनात्मक फैसला: माकपा

तिरुवनंतपुरम। केरल में नए मंत्रिमंडल में केके शैलजा को शामिल किये जाने के लिये सोशल मीडिया पर तेज होती मुहिम के बीच माकपा ने बुधवार को कहा कि लोकप्रिय स्वास्थ्य मंत्री को मंत्रिमंडल में शामिल न करना पार्टी का एक 'राजनीतिक व संगठनात्मक' फैसला है और इस पर कोई पुनर्विचार नहीं होगा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के कार्यवाहक सचिव ए विजय राघवन ने कहा कि नेतृत्व ने पहले ही पार्टी द्वारा इस संदर्भ में लिये गए फैसले की जानकारी दे दी है। सोशल मीडिया मंचों पर चल रहे अभियान ''शैलजा टीचर' को वापस लाओ' के बारे में पूछे जाने पर विजय राघवन ने कहा कि यह उनके संज्ञान में नहीं है। केके शैलजा राज्य में 'शैलजा टीचर' के नाम से भी लोकप्रिय हैं। उन्होंने कहा कि जहां तक कम्युनिस्ट पार्टी की बात है, राजनीति और संगठन समान रूप से महत्वपूर्ण हैं और मौजूदा फैसला इसी के अनुरूप है। उन्होंने कहा, 'पार्टी को अपने राजनीतिक और संगठनात्मक हितों को ध्यान में रखना होगा। सत्ताधारी दल के तौर पर, उसे राज्य के हितों की रक्षा के लिये भी उचित विचार करना होगा। इसलिये, गंभीर चिंतन के बाद पार्टी ऐसे फैसलों पर पहुंचती है।' वाम नेता ने कहा कि जहां तक माकपा का विचार है, उस पर नई सरकार को बेहतर तरीके से निर्देशित करने की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि नई सरकार का उल्लेखनीय प्रदर्शन करना उसकी शीर्ष प्राथमिकता है। पिनराई विजयन को मंगलवार को दूसरी बार मुख्यमंत्री के तौर पर नियुक्त करने के लिये पार्टी विधायक दल का नेता चुना गया, लेकिन नए मंत्रिमंडल में शैलजा को जगह नहीं दिए जाने से विवाद खड़ा हो गया। राज्य में कोविड-19 की पहली लहर को नियंत्रित रखने में प्रभावी भूमिका निभाने के लिये वैश्विक मीडिया ने उनके काम की काफी तारीफ की थी। शैलजा को मंत्रिमंडल में जगह नहीं दिये जाने पर विभिन्न पक्षों ने नाराजगी जाहिर की है। उन्हें मंत्रिमंडल में वापस लाने की मांग को लेकर सोशल मीडिया मंचों पर 'हमारी टीचर को वापस लाओ', 'शैलजा टीचर को वापस लाओ' जैसी मुहिम चल रही है और पार्टी के फैसले पर सवाल उठाते हुए उन्हें नए मंत्रिमंडल में वापस लाने का अनुरोध किया गया है।

सभी कोविड अस्पतालों में तैयार हो पोस्ट कोविड वार्ड: सीएम योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोविड-19 संक्रमण से मुक्त होने के बावजूद कुछ लोगों को चिकित्सीय निगरानी की जरूरत के मद्देनजर हर कोविड अस्पताल में पोस्ट कोविड वार्ड तैयार करने के आदेश दिए हैं। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने मंगलवार को कोविड-19 प्रबंधन के लिए टीम-नाइन के साथ बैठक में कहा, कोविड संक्रमण से मुक्त होकर स्वस्थ हो चुके कुछ लोगों को अभी भी चिकित्सकीय निगरानी की आवश्यकता पड़ रही है। ऐसे में कोविड उपचार के साथ-साथ पोस्ट कोविड (कोविड से ठीक होने के बाद) मेडिकल समस्याओं के इलाज की व्यवस्था आवश्यक है। लिहाजा सभी समर्पित कोविड अस्पतालों में पोस्ट कोविड वार्ड तैयार किए जाएं। उन्होंने कहा कि इस वार्ड में हर बेड पर ऑक्सीजन की व्यवस्था हो।

इन मरीजों के चिकित्सकीय उपचार के साथ-साथ भोजन के लिए भी समुचित प्रबन्ध किए जाएं। योगी ने कहा कि निजी मेडिकल कॉलेजों में ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित करने के संबंध में नीति जारी कर दी गई है। उन्होंने कहा कि इच्छुक संस्थाओं को सरकार की ओर से सभी जरूरी प्रोत्साहन दिए जाएंगे और 'पीएम केयर्स', राज्य सरकार तथा सीएसआर के माध्यम से स्थापित हो रहे ऑक्सीजन संयंत्र की क्रियाशीलता यथाशीघ्र शुरू की जाए। मुख्यमंत्री ने ताकीद की कि प्रदेश के सभी जनपदों में ब्लैक फंगस के उपचार की दवा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहनी चाहिए और इस सम्बन्ध में केंद्र सरकार को पत्र भेजकर आवंटन बढ़ाने का अनुरोध किया जाए।

योगी ने कहा 'विशेषज्ञों के आकलन के मद्देनजर प्रदेश को कोविड-19 की तीसरी लहर से संबंधित चुनौतियों के लिए तैयार रहना होगा। सभी मेडिकल कॉलेजों में 100 बेड का पीडियाट्रिक आईसीयू (पीकू) वार्ड तैयार किए जाएं। महिलाओं और बच्चों की सुविधा के दृष्टिगत लखनऊ के लोकबंधु अस्पताल को 'मदर एंड चाइल्ड कोविड केयर सेंट' के रूप में तैयार कराया जाए।' उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा विभाग को बीआरडी मेडिकल कॉलेज एवं केजीएमयू तथा स्वास्थ्य विभाग को इन्सेफ्लाइटिस (दिमागी बुखार) से प्रभावित जनपदों में पीकू की स्थापना का अनुभव है।

भारत में एक दिन में कोरोना की रिकॉर्ड 20 लाख जांच की गईं: स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि देश भर में बीते 24 घंटों के दौरान 20 लाख से ज्यादा कोविड-19 जांच की गईं, जो एक वैश्विक रिकॉर्ड है तथा भारत में एक दिन में की गई जांच की सर्वाधिक संख्या। मंत्रालय के मुताबिक देश में संक्रमण दर घटकर 13.31 प्रतिशत पहुंच गई है। भारत में लगातार छठे दिन कोविड-19 से एक दिन में ठीक होने वाले लोगों की संख्या संक्रमित मिले नए रोगियों से ज्यादा रही। देश में बीते 24 घंटों के दौरान 389851 मरीजों के स्वस्थ होने के साथ ही महामारी से उबर चुके लोगों की कुल संख्या बढ़कर 21986363 हो गई। स्वस्थ्य होने वालों की राष्ट्रीय दर बढ़कर 86.23 प्रतिशत हो गई है।

मंत्रालय ने कहा, 'बीते 24 घंटों में 20 लाख से ज्यादा जांच (भारत में एक दिन में की गईं सर्वाधिक जांच) की गईं, जबकि दैनिक संक्रमण दर घटकर 13.31 प्रतिशत पहुंच गई।' मंत्रालय के मुताबिक, 'बीते 24 घंटों (18 मई) के दौरान कुल 20.08 लाख जांच देश में की गई, जो एक वैश्विक रिकॉर्ड भी है।÷ मंत्रालय ने बताया कि देश भर में अब तक 32 करोड़ से ज्यादा जांच की जा चुकी हैं और कुल संक्रमण दर फिलहाल 7.96 प्रतिशत है। मंत्रालय ने कहा कि आंकड़ों का स्थिर होना जारी है और भारत में लगातार तीसरे दिन तीन लाख से कम नए मामले सामने आए। बीते 24 घंटों के दौरान सामने आए कुल 267334 नए मामलों में से 74.46 प्रतिशत 10 राज्यों से आए जिनमें तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा शामिल हैं। तमिलनाडु में सबसे ज्यादा 33059 नए मरीज मिले जिसके बाद केरल में 31337 नए मामले सामने आए।

दूसरी तरफ देश में कोविड-19 के उपचाराधीन रोगियों की संख्या घटकर 3226719 हो गई है। एक दिन में इसमें 127046 की कमी दर्ज की गई। यह अब देश में संक्रमण के कुल मामलों का 12.66 प्रतिशत है। भारत में कुल उपचाराधीन मामलों में से 69.02 प्रतिशत आठ राज्यों - कर्नाटक, महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल- से हैं। टीकों की बात करें तो देश भर में अब तक 18.58 करोड़ लोगों को टीका दिया जा चुका है। सुबह सात बजे तक की रिपोर्ट के मुताबिक 27,10,934 सत्रों के जरिये टीके की कुल 185809302 खुराक दी जा चुकी हैं।

केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा उठाए इन कदमों की बदौलत कोरोना की दूसरी लहर में आई गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत में कोरोना की दूसरी लहर अब गिरावट की ओर है। इस दौरान मामले 4 लाख से घटकर अब 2.67 लाख पर आ गए हैं। जानकारों की मानें तो यदि गिरावट का यही दौर जारी रहा और सब कुछ ठीक रहा तो एक सप्ताह के अंदर ये लहर चली जाएगी। आपको बता दें कि भारत में आई दूसरी लहर का प्रकोप पहले की तुलना में तीन गुना अधिक था। पहली लहर के दौरान भारत में सितंबर में एक दिन में अधिकतम 97 हजार मामले सामने आए थे।

दूसरी लहर में लगातार गिरावट आने के बाद भी जानकार इस बात से इनकार नहीं कर रहे हैं कि खतरा टल गया है। इस बीच कोरोना महामारी की तीसरी लहर की भी आशंका लगातार बनी हुई है। बहरहाल, तीसरी लहर को देखते हुए भी राज्य और केंद्र सरकार ने अपनी तैयारियों को अधिक मजबूती के साथ करने में कमर कस ली है। वहीं दूसरी लहर में आ रही गिरावट की वजह भी केंद्र और राज्यों के लिए गए कई ऐसे फैसले रहे हैं जिनकी बदौलत ऐसा संभव हो सका है। आपको यहां पर ये याद दिलाना जरूरी हो जाता है कि कुछ समय पहले ही केंद्र ने राज्यों को ये अधिकार दिया था कि वो महामारी को देखते हुए अपने यहां पर किसी भी स्तर पर कदम उठा सकते हैं। राज्यों ने इस अधिकार का भलीभांति उपयोग इस दौर में किया है। राज्यों ने इसके तहत जिलाधिकारियों को ये अधिकार दिया कि वो अपने स्तर पर कोरोना संक्रमण के मामले देखते हुए आंशिक या पूर्ण लॉकडाउन तक लगाने का फैसला ले सकते हैं। ऐसा हुआ भी। महाराष्ट्र में इस तरह की चीजें देखने को मिलीं जहां पर जिला स्तरीय लॉकडाउन लगाया गया। इसके अलावा इसी तरह से कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश समेत कुछ अन्य राज्यों में भी इसको अपनाया गया। केंद्र सरकार की ही बात करें तो इस दौर में प्रधानमंत्री ने लगातार महामारी का जायजा लिया और राज्यों के मुख्यमंत्रियों समेत जरूरत पड़ने पर महामारी से अधिक प्रभावित जिलों के डीएम तक से सीधी बातचीत की। उन्होंने कहा कि यदि उनका जिला इस महामारी पर काबू पाने में सफल हो सका तो उनकी बदौलत इस महामारी पर देशभर में विजय पाई जा सकेगी। इसके अलावा केंद्र की तरफ से समय समय पर दिशा-निर्देश भी राज्यों को दिए जाते रहे। सरकार ने नेशनल टेक्नीकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्यूनाइजेशन की उस सलाह को भी माना जिसमें उन्होंने कोविशील्ड की दो खुराकों के बीच 3-4 माह का अंतर करने की बात कही गई थी। केंद्र सरकार ने कोरोना की विकराल होती दूसरी लहर के बीच ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की खरीद की और मरीजों को इसको उपलब्ध करवाया। केंद्र सरकार ने आक्सीजन की कमी से हो रही मौतों के बीच हर संभव उपाय करे जिसकी बदौलत करोड़ों लोगों के जीवन को बचाया जा सका। केंद्र की तरफ से राज्यों को आक्सीजन सप्लाई के लिए रेलवे की मदद ली गई। विदेशों से दी गई मदद को तुरंत अस्पतालों को मुहैया करवाया गया। केंद्र ने इस दौरान महामारी की रोकथाम के लिए तेजी से लोगों को वैक्सीनेट करने की नीति पर भी काम किया। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 19 मई तक देश में 18,58,09,302 खुराक दी जा चुकी हैं। मंगलवार की तुलना में बुधवार को 13,12,155 खुराक अधिक दी गई हैं। केंद्र ने राज्यों को टीकाकरण को सुचारू रूप से चलाने के लिए वैक्सीन की उचित व्यवस्था की।

मृत शिक्षकों के परिजनों को मुआवजा देने से बचने के लिये प्रदेश सरकार झूठ बोल रही है: अखिलेश

लखनऊ। (एजेंसी)।

पंचायत चुनाव की ड्यूटी के दौरान केवल तीन शिक्षकों की मौत होने के उत्तर प्रदेश सरकार के शिक्षा मंत्री के बयान पर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश की निष्ठुर भाजपा सरकार मुआवजा देने से बचने के लिए अब ये झूठ बोल रही है। यादव ने बुधवार को ट्वीट किया, उ्प्र की निष्ठुर भाजपा सरकार मुआवजा देने से बचने के लिए अब ये झूठ बोल रही है कि चुनावी ड्यूटी में केवल तीन शिक्षकों की मौत हुई है जबकि शिक्षक संघ का दिया आँकड़ा 1,000 से अधिक है। भाजपा सरकार 'महा झूठ का विश्व रिकॉर्ड' बना रही है। परिवारवालों का दुख ये हृदयहीन भाजपाई क्या जानें।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के शिक्षक संगठनों ने राज्य में हाल में हुए पंचायत चुनाव में ड्यूटी करने वाले 1,621 शिक्षकों, शिक्षामित्रों तथा अन्य विभागीय कर्मियों की मृत्यु का दावा करते हुए सभी के परिजन को एक-एक करोड़ रुपए के मुआवजे और आश्रितों को सरकारी नौकरी देने की मांग की है। प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री सतीश द्विवेदी ने इस दावे को गलत ठहराते हुए मंगलवार को कहा था कि स्थापित मानकों के हिसाब से देखें तो चुनाव ड्यूटी के दौरान सिर्फ तीन शिक्षकों की मौत हुई है। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष दिनेश चंद्र शर्मा ने 16 मई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक पत्र लिखकर कहा है कि प्रदेश के सभी 75 जिलों में पंचायत चुनाव ड्यूटी करने वाले 1,621 शिक्षकों, अनुदेशकों, शिक्षा मित्रों और कर्मचारियों की कोरोना वायरस संक्रमण से मौत हुई है।

भाजपा की जालसाजी सफल नहीं होगी, नड्डा, पात्रा और स्मृति ईरानी को जाना पड़ सकता है जेल: कांग्रेस

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस ने कथित 'टूलकिट' मामले को लेकर बुधवार को भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा के 'फर्जी प्रबंधकों' की यह 'जालसाजी' सफल नहीं होगी तथा यह कोरोना महामारी के समय सरकार की 'विफलता' से ध्यान भटकाने की कोशिश भर है। विपक्षी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यह दावा भी किया कि 'फर्जी टूलकिट तैयार करने की जालसाजी' के लिए सत्तारूढ़ पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा, संगठन महामंत्री बीएल संतोष, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी तथा प्रवक्ता संबित पात्रा को जेल जाना पड़ सकता है।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''जालसाजी और इसका उपयोग एजेंडा सेट करने के लिए किया गया है। हकीकत यह है कि इस मामले में संबित पात्रा को जेल जाना पड़ सकता है। जेपी नड्डा जी, बीएल संतोष जी और स्मृति ईरानी जी को भी जेल जाना पड़ सकता है। यह जालसाजी सफल नहीं होगी।'' पात्रा पर कटाक्ष करते हुए सुरजेवाना ने कहा, ''एक कहावत है 'खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे।' यह लोगों की सेवा करने का समय है। पात्रा जी, आप तो खुद के नाम के आगे डॉक्टर लिखते हैं, ऐसे में फर्जी कागज मत गढ़िए, लोगों की सेवा करिए।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया, ''इस वक्त का मुद्दा ऑक्सीजन, वेंटिलेटर, दवाओं की कमी है। मुद्दा यह भी होना चाहिए कि सरकार विफल रही है, मौत के आंकड़ों को छिपाया गया है।'' कांग्रेस नेता ने दावा किया, ''सत्तापक्ष के लोग सिर्फ ध्यान भटकाना चाहते हैं। लेकिन भाजपा के फर्जी प्रबंधकों का फर्जी एजेंडा सफल नहीं होगा।'' गौरतलब है कि कोरोना काल में राजनीतिक लाभ के लिए ''टूलकिट'' तैयार करने और इसके जरिए देश और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि धूमिल करने का कांग्रेस पर आरोप लगाने के एक दिन बाद भाजपा प्रवक्ता पात्रा ने बुधवार को दावा किया कि इस कथित टूलकिट की रचनाकार कांग्रेस की कार्यकर्ता सौम्या वर्मा हैं जो विपक्षी पार्टी के शोध विभाग के प्रमुख राजीव गौड़ा के कार्यालय से संबद्ध हैं। एक ''टूलकिट'' का हवाला देते हुए पात्रा ने आरोप लगाया था कि कोरोना के समय जब पूरा देश महामारी से लड़ रहा है तो कांग्रेस ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए भारत को पूरे विश्व में ''अपमानित और बदनाम'' करने की कोशिश की है। कांग्रेस ने मंगलवार को ही भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा सहित उसके वरिष्ठ नेताओं बीएल संतोष, स्मृति ईरानी, संबित पात्रा तथा कई अन्य के खिलाफ दिल्ली पुलिस में 'जालसाजी' की शिकायत दर्ज कराई थी।

टूलकिट विवाद: कांग्रेस पर बरसे बाबा रामदेव, कहा- यह हिंदुओं को बदनाम करने की साजिश

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

देश में जारी टूलकिट विवाद पर बाबा रामदेव ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। बाबा रामदेव ने कांग्रेस पर हमला किया और कहा कि हिंदुओं की भावनाओं से ना खेलें। बाबा रामदेव ने कहा कि टूलकिट के माध्यम से कुंभ मेला और सनातन हिंदू धर्म को बदनाम करना सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक साजिश, पाप और अपराध है। जो लोग ऐसा कर रहे हैं उनसे हाथ जोड़कर प्रार्थना है आप राजनीति करिए लेकिन 100 करोड़ से ज्यादा हिंदुओं का अपमान मत करिए।

बाबा रामदेव ने आगे कहा कि आप बहुत घिनौनी हरकत कर रहे हैं। देश आपको कभी माफ नहीं करेगा। देश के लोगों को ऐसी सनातन विरोधी और भारत विरोधी ताकतों का मिलकर बहिष्कार और विरोध करना चाहिए। इससे पहले कोरोना काल में राजनीतिक लाभ के लिए ''टूलकिट'' तैयार करने और इसके जरिए देश और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि धूमिल करने का कांग्रेस पर आरोप लगाने के एक दिन बाद भाजपा ने बुधवार को दावा किया कि इस कथित टूलकिट की रचनाकार कांग्रेस की कार्यकर्ता सौम्या वर्मा हैं जो विपक्षी पार्टी के शोध विभाग के प्रमुख राजीव गौड़ा के कार्यालय से संबद्ध हैं। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने एक संवाददाता सम्मेलन में अपने दावे के पक्ष में सौम्या वर्मा के सोशल मीडिया अकाउंट्स का ब्योरा और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी तथा गौड़ा के साथ उनकी कुछ तस्वीरें साझा कीं।

कांग्रेस ने कथित 'टूलकिट' मामले को लेकर बुधवार को भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा के 'फर्जी प्रबंधकों' की यह 'जालसाजी' सफल नहीं होगी तथा यह कोरोना महामारी के समय सरकार की 'विफलता' से ध्यान भटकाने की कोशिश भर है। विपक्षी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यह दावा भी किया कि 'फर्जी टूलकिट तैयार करने की जालसाजी' के लिए सत्तारूढ़ पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा, संगठन महामंत्री बीएल संतोष, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी तथा प्रवक्ता संबित पात्रा को जेल जाना पड़ सकता है।

पंजाब में कांग्रेस के लिए बढ़ी मुश्किलें, सीएम अमरिंदर के खिलाफ बगावत के सुर तेज

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

अगले साल पंजाब में विधानसभा के चुनाव होने है। लेकिन उससे पहले वहां कांग्रेस में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के खिलाफ गुटबाजी तेज हो गई है। पंजाब कांग्रेस में ऐसे कई नेता है जो कैप्टन अमरिंदर सिंह से असंतुष्ट माने जा रहे हैं। पंजाब सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू से सीएम अमरिंदर के तनातनी तो सबको पता है। लेकिन एक और तनातनी की खबरें अब सामने आ रही है। यह तनातनी पंजाब सरकार में मंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और कैप्टन अमरिंदर के बीच की है। पंजाब के कांग्रेस के भीतर इस तकरार ने आलाकमान को चिंता में डाल दिया है। मी टू से जुड़े 3 साल पुराने मामले में नोटिस भेजे जाने के बाद पंजाब सरकार में मंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के घर बैठक के चल रही है। इसमें प्रताप सिंह बाजवा समेत कई विधायक और मंत्री मौजूद रहे। यह सभी कैप्टन अमरिंदर सिंह से नाराज बताए जा रहे हैं। इन नेताओं का आरोप है कि चरणजीत सिंह चन्नी को पंजाब सरकार के खिलाफ मुखर होने की वजह से निशाना बनाया जा रहा है।

वहीं पिछले दिनों नवजोत सिंह सिद्धू ने अब तक जेल मंत्री सुखजिंदर रंधावा और तकनीकी शिक्षा पर्यटन और सांस्कृतिक मामलों के मंत्री चरणजीत चन्नी के साथ बैठक की थी। इस बैठक में कुछ विधायकों के भी शामिल होने की खबर थी। बताया जा रहा है कि प्रताप सिंह बाजवा के भाई फतेह जंग सिंह बाजवा, साथ में कुलजीदीप सिंह ढिल्लो. बलविंदर लाडी और बरिंदरमीत सिंह पहरा शामिल थे। ग्रुप में शामिल लोगों का कहना है कि मुख्यमंत्री पर पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए वादों पर अमल करने के लिए दबाव बनाया जाएगा। इन बातों में बरगारी बलिदान और ड्रग माफिया पर शिकंजा कसना शामिल है। भले ही यह समूह कुछ भी रहे, लेकिन सच तो यही है कि नवजोत सिंह सिद्धू लगातार मुख्यमंत्री बनने का ख्वाब देख रहे हैं। ऐसे में उन्हें लगता है कि जब तक कैप्टन अमरिंदर सिंह है तब तक शायद उन्हें मौका ना मिले। और यही वह वजह है जिस कारण अमरिंदर पर सिद्धू लगातार हमलावर हैं। सिद्धू एक तीर से दो काम कर रहे हैं। पहला कि वह अमरिंदर को कमजोर कर रहे हैं तो दूसरा कांग्रेस नेतृत्व पर भी दबाव बना रहे हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रताप सिंह बाजवा ने पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के एक निकट सहयोगी पर विधायक परगट सिंह द्वारा धमकाने का आरोप लगाए जाने संबंधी विवाद की पृष्ठभूमि में कहा कि पार्टी आलाकमान को प्रदेश सरकार एवं कांग्रेस की स्थिति को लेकर दखल देना चाहिए और सभी विधायकों से बातचीत के बाद कोई फैसला करना चाहिए। दूसरी तरफ, पार्टी ने आधिकारिक तौर पर कहा कि पंजाब में कांग्रेस के भीतर कोई गुटबाजी नहीं है तथा अगर कोई मनमुटाव का मसला है तो उसका प्रदेश के स्तर पर समाधान कर लिया जाएगा। पंजाब प्रदेश कांग्रेस के भीतर चल रही कलह के बारे में पूछे जाने पर पार्टी के राज्यसभा सदस्य प्रताप सिंह बाजवा ने बातचीत में कहा, ''हमारा यह कहना है कि इसमें प्रभारी हरीश रावत जी को आलाकमान से सभी विधायकों की एक-एक करके बातचीत करानी चाहिए। आलाकमान को पूरी स्थिति का पता करने के बाद ही कोई फैसला करना चाहिए।''

इजरायली हवाई हमले में बड़ा घर ध्वस्त, छह मरे, खाड़ी के अरब देश गुस्सा में

गाजा सिटी (एजेंसी)।

बुधवार की सुबह गाजा पट्टी में इजरायल के हवाई हमलों में कम से कम छह लोग मारे गए। हवाई हमले में एक बड़ा रिहायशी घर उड़ा दिया गया। इजराइल की सेना ने कहा कि उसने खान यूनुस और राफा में आर्तकियों के ठिकानों को निशाना बनाया और 52 विमानों ने 25 मिनट में 40 ठिकानों पर बमबारी की। खान यूनुस में हमले में 40 सदस्यों वाले अल अस्तल परिवार का घर तबाह हो गया। हमले से पांच मिनट पहले इस घर पर चेतावनी स्वरूप मिसाइल दागी गई, जिससे परिवार के सभी सदस्य वहां से भागने में सफल रहे। हमास के अल-अक्सा रेडियो ने बताया कि गाजा सिटी में हवाई हमले में उसके एक रिपोर्टर की मौत हो गई। शिफा अस्पताल के डाक्टरों ने बताया कि बुधवार की सुबह लाए गए पांच शवों में संवाददाता का शव भी था। इनमें दो लोगों की मौत चेतावनी मिसाइल के उनके अपार्टमेंट से टकराने के कारण हुई। अल-अक्सा मस्जिद परिसर में दस मई को इजरायली पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ फलस्तीनी प्रदर्शनकारियों के समर्थन में यरुशलम की तरफ हमास द्वारा हजारों राकेट दागे गए उसके बाद दोनों पक्षों के बीच लड़ाई भड़क गई। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, हवाई हमलों में अब तक कम से कम 219 फलस्तीनी नागरिक मारे गए। इनमें 63 बच्चे और 36 महिलाएं शामिल हैं। इसके अलावा 1530 व्यक्ति घायल हुए हैं। वहीं हमास और इस्लामिक जेहाद का कहना है कि उनके 20 लड़ाके मारे गए हैं। जबकि इजराइल का कहना है कि यह संख्या कम से कम 130 है। राकेट हमलों में इजरायल के 12 लोगों की मौत हुई है जिनमें पांच वर्ष का एक लड़का भी शामिल है।

इजरायल के प्रति फूट रहा खाड़ी के अरब देशों का गुस्सा

गाजा पट्टी पर इजरायली हवाई हमलों और लोगों के मारे जाने की खाड़ी के अरब देशों के लोग इजराइल की कड़ी निंदा कर रहे हैं और फलस्तीन के प्रति समर्थन जता रहे हैं। इजराइल के खिलाफ गुस्सा सड़कों पर प्रदर्शन के जरिए, इंटरनेट मीडिया, अखबारों के आलेखों में देखा जा रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि इस संघर्ष के चलते सऊदी अरब जैसे अन्य अरब देशों के साथ संबंध सामान्य करने के इजराइल के प्रयासों को झटका लगेगा। संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और कुवैत में लोग इंटरनेट मीडिया पर फलस्तीन के प्रति खुलकर समर्थन व्यक्त कर रहे हैं।

इजराइल का चीन के सरकारी चैनल पर सामी विरोधी होने का आरोप

चीन में इजराइल के दूतावास ने सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के विदेशी चैनल द्वारा गाजा और दूसरे स्थानों पर जारी हिंसा पर चर्चा संबंधी कार्यक्रम में घोर सामी विरोधी होने का आरोप लगाते हुए अपना विरोध दर्ज किया है। दूतावास ने एक ट्वीट में कहा, हमने उम्मीद की थी कि दुनिया को यहूदियों द्वारा नियंत्रित करने जैसे षड्यंत्रकारी सिद्धांतों का दौर चला गया है, पर दुर्भाग्य से यहूदी विरोध एक बार फिर अपना घिनौना चेहरा लेकर सामने आ रहा है।

पाकिस्तान में भी ताउते चक्रवात ने मचाई तबाही, 4 लोगों की मौत व सिंध में हाई अलर्ट

पेशावर (एजेंसी):

भारत में तबाही मचा रहे चक्रवात ताउते को लेकर पाकिस्तान के सिंध प्रांत में अधिकारियों ने देश के मौसम विभाग द्वारा चेतावनी जारी करने के बाद हाई अलर्ट जारी है। पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर कराची में चक्रवात ताउते के प्रभाव की वजह से आंधी आई जिसके कारण 4 लोगों की मौत हो गई। बचाव अधिकारियों ने पुष्टि कि कराची में आंधी आने की वजह से छत ढहने की घटनाओं में चार लोगों की मौत हुई है। इसके बाद कई हिस्सों में हल्की बारिश भी हुई। मौसम विभाग के अधिकारी ने बताया कि दक्षिणी पाकिस्तान के करीब चक्रवात के प्रभाव और स्थानीय मौसम संबंधी स्थितियों की वजह से आंधी आई। कराची में पिछले तीन दिन से भीषण लू चल रही थी और पारा 44 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया था। चक्रवात ताउते सोमवार शाम को गुजरात तट से टकराया था जिससे राज्य में भारी बारिश हुई है। ताउते की वजह से भारत के गुजरात में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और काफी नुकसान हुआ। बता दें कि पाकिस्तान मौसम विभाग ने रविवार को चक्रवात के लिए लगातार छठा अलर्ट जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि चक्रवात से सिंध प्रांत का हिस्सा प्रभावित हो सकता है। खासकर इसके तटीय क्षेत्रों में भारी बारिश और तेज हवाओं के चलने की आशंका है। अलर्ट के अनुसार, चक्रवात एक 'बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान' में बदल गया है । ये कराची से लगभग 1,210 किमी दक्षिण-दक्षिण पूर्व की दूरी पर 15.3 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 72.5 डिग्री पूर्वी देशांतर के पास केंद्र है। अलर्ट में कहा गया है, 'सिस्टम सेंटर के आसपास अधिकतम लगातार हवाएं 100-120 किमी प्रति घंटे से 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हैं।' एक अलग अधिसूचना में, विभाग ने कराची के लिए सोमवार तक हीटवेव चेतावनी भी जारी की थी जिसमें तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने का अनुमान लगाया गया ।

US सांसद ने कोविड संकट में PM मोदी के प्रयासों की सराहना की, कहा-भारतीय इस चुनौती से पार पा लेंगे

न्यूयार्क (एजेंसी) .

अमेरिका के एक सांसद ने कोविड-19 संकट से निपटने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों की सराहना की और विश्वास जताया कि भारतीय इस चुनौती से पार पा लेंगे। सांसद जो विल्सन ने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच एक विशेष साझेदारी है। उन्होंने कहा कि वैश्विक महामारी से निपटने के लिए आवश्यक उपकरणों की भारत को आपूर्ति करने के कांग्रेस के प्रयासों का समर्थन करके वह कृतज्ञ महसूस कर रहे हैं। विल्सन ने कहा, '' वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से प्रभावित भारत के लोगों के साथ हमारी सहानुभूति है। इस पीड़ादायक संकट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों की मैं सराहना करता हूं। उन्होंने कहा, ''भारत के एक दोस्त के तौर पर और 'हाउस कॉकस ऑन इंडिया एंड इंडियन अमेरिकन्स'' के एक सदस्य के नाते इस समय भारत के लोगों के साथ मेरी सहानुभूति है और मुझे विश्वास है कि भारतीय इस चुनौती से पार पा लेंगे।'' सांसद ने एक बयान में कहा कि ऐसे समय जब भारत के लोगों को मदद की जरूरत है तो इस समय मदद करने वालों को पहचानना जरूरी है। उन्होंने कहा, '' मैं 'इंडियन-अमेरिकन इंटरनेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स' का आभारी हूं, जिसका नेतृत्व सीईओ एवं अध्यक्ष केवी कुमार करते हैं। भारत में जारी संकट के मद्देनजर आईएआईसीसी ने डॉ. नरसिम्हुलु नीलगरु, राजदूत तरनजीत सिंह संधू और महावाणिज्य दूत डॉ. स्वाति कुलकर्णी तथा अमित कुमार के साथ मिलकर वैश्विक महामारी से निपटने में भारत की मदद के लिए एक विशेष कार्यबल की स्थापना की है।''

नेपाल में भूकंप के झटके, 5.8 रही तीव्रता

काठमांडू। नेपाल में सुबह-सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। जानकारी के मुताबिक नेपाल के पोखरा में आए भूकंप रिक्टर स्केल पर तीव्रता 5.3 मापी गई। भूकंप का एहसास नेपाली समय के मुताबिक सुबह 5.42 पर हुआ। दावा किया जा रहा है कि नेपाल में आए इस भूकंप का असर भारत के बिहार में भी महसूस किया गया है। बिहार की सीमा नेपाल से लगी हुई है ऐसे में नेपाल में आने वाले भूकंप का असर बिहार में देखने को मिलता है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी और अनुसंधान केंद्र में मुख्य भूकंपविज्ञानी डॉ. लोक बिजय अधिकारी ने बताया कि भूकंप का केंद्र लामजंग जिले के भुलभुले में है। उन्होंने इस दौरान भूकंप की तीव्रता 5.8 बताई। भूकंप से किसी भी तरह के हुए नुकसान की बात अभी तक सामने नहीं आई है।

नैन्सी पेलोसी ने दुनिया से चीन के विंटर ओलिंपिक के बहिष्कार का किया आह्वान

वॉशिंगटन (एजेंसी):

विंटर ओलिंपिक को लेकर अमेरिका ने चीन के खिलाफ मोर्चा खोलने का मन बना लिया है। अमेरिकी सांसद ओलिंपिक बहिष्कार या स्थल परिवर्तन के बारे में तेजी से मुखर रहे हैं और अमेरिकी निगमों पर भड़क गए हैं। चीन में अल्पसंख्यकों के मानवाधिकार के हनन को लेकर अब अमेरिकी प्रतिनिधि सभा अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी ने मंगलवार को अमेरिकी राजनयिकों से चीन विंटर ओलंपिक-2022 का बहिष्कार करने का आह्वान किया। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी ने मंगलवार को बीजिंग में चार फरवरी 2022 को सुरू होने वाले चीन विंटर ओलिंपिक के बहिष्कार का आह्वान करते हुए मानवाधिकारों के हनन के लिए चीन की आलोचना की और कहा कि इसमें शामिल होने वाले वैश्विक नेता अपना नैतिक अधिकार खो देंगे।, इस बारे में अपनी चुप्पी का तर्क देते हुए कि विदेश विभाग ने चीन में उइगरों और अन्य जातीय अल्पसंख्यकों के नरसंहार को चीनी सरकार को उकसाने वाला माना है। डेमोक्रेट पेलोसी ने इस मुद्दे पर एक द्विदलीय कांग्रेस की सुनवाई में कहा कि दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्षों को फरवरी में होने वाले खेलों से दूर रहना चाहिए। पेलोसी ने कहा कि आइए राष्ट्राध्यक्षों को चीन भेजकर चीनी सरकार का सम्मान न करें। इस दौरान एक स्वतंत्र संयुक्त राष्ट्र पैनल ने कहा कि 2018 में उसे विश्वसनीय रिपोर्ट मिली थी कि चीन के शिनजियांग क्षेत्र में कम से कम 10 लाख उइगर और अन्य मुसलमानों को शिविरों में रखा गया है। बीजिंग चरमपंथ पर मुहर लगाने के लिए उन्हें व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र के रूप में वर्णित करता है और दुर्व्यवहार और नरसंहार के आरोपों को दृढ़ता से खारिज करता रहा है।

पिछले हफ्ते भारत में कोरोना संक्रमण में दर्ज की गई 13 फीसदी कमी : डब्ल्यूएचओ

जेनेवा (एजेंसी)।

देश में कोरोना की दूसरी लहर की रफ्तार धीरे-धीरे थमती दिख रही है। हालांकि, कोरोना की पीक को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इस बीच, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बताया है कि भारत में बीते हफ्ते में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में 13 फीसदी की बड़ी गिरावट देखी गई है, जो एक अच्छा संकेत है। इसके साथ ही विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने यह भी कहा है कि भले ही बीते हफ्ते कोरोना केस कम हुए हों, लेकिन भारत में अब भी दुनिया में सबसे ज्यादा केस आ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा राष्ट्रीय अधिकारियों से 16 मई तक प्राप्त साप्ताहिक कोरोना महामारी के अद्यतन डाटा के मुताबिक, पिछले सप्ताह में वैश्विक स्तर पर नए मामलों और मौतों की संख्या की बात की जाए तो 48 लाख नए मामले सामने आए और 86,000 नई मौतों की सूचना दी गई, जो उसके पहले के हफ्ते से कम हुए हैं। नए मामलों में दुनियाभर में 12 फीसदी कमी आई है और मौतों में 5 फीसदी की। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया है कि बीते हफ्ते दुनियाभर में भारत से सबसे अधिक नए मामले (23,87,663 नए मामले) सामने आए, जो पिछले सप्ताह की तुलना में 13 फीसदी कम हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के ये आंकड़े बता रहे हैं कि भारत में कोरोना के मामलों में थोड़ी कमी आई है। कोरोना की दूसरी लहर के विनाशकारी असर के बाद भी भारत में संक्रमण दर कई विकसित देशों की तुलना में काफी कम है। ज्यादा आबादी के कारण भारत कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या के मामले में दुनिया में अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर आ गया है, लेकिन हकीकत का दूसरा पहलू यह भी है कि भारत में अभी तक दो फीसद से कम जनसंख्या ही कोरोना से संक्रमित पाई गई है, वहीं अमेरिका में यह आंकड़ा 10 फीसदी से भी ज्यादा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक भारत में संक्रमितों की बड़ी संख्या के बावजूद प्रति 100 लोगों पर मामले काफी कम हैं। भारत में 1.8 फीसदी लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। जबकि, अमेरिका में 10.1 फीसदी, ब्राजील में 7.3 फीसदी, फ्रांस में नौ फीसदी, तुर्की में छह फीसदी, रूस में 3.4 फीसदी, इटली में 7.4 फीसदी, जर्मनी में 4.3 फीसदी, अर्जेंटीना में 7.3 फीसदी और कोलंबिया में 6.1 फीसदी आबादी कोरोना से संक्रमित हो चुकी है।

इजराइल ने चीन के सरकारी चैनल पर लगाया आरोप

बीजिंग। चीन में इजराइल के दूतावास ने सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के विदेशी चैनल द्वारा गाजा और दूसरे स्थानों पर जारी हिंसा पर चर्चा संबंधी कार्यक्रम में घोर यहूदी विरोध का आरोप लगाया है और इसके खिलाफ अपना विरोध दर्ज किया है। दूतावास ने एक ट्वीट में कहा, हमने उम्मीद की थी कि दुनिया को यहूदियों द्वारा नियंत्रित करने जैसे षड्यंत्रकारी सिद्धांतों का दौर चला गया है, पर दुर्भाग्य से यहूदी विरोध एक बार फिर अपना घिनौना चेहरा लेकर सामने आ रहा है। ट्वीट में कहा गया, ''चीन के एक आधिकारिक मीडिया संगठन द्वारा व्यक्त किए गए घोर यहूदी विरोध को देखकर हम स्तब्ध हैं। दूतावास से मांगी गई टिप्पणियों में उसने बस इतना ही जवाब दिया कि बुधवार को दूतावास बंद है और यह तत्काल साफ नहीं हो पाया है कि कार्यक्रम के तीन मिनट के खंड में उसका विरोध किस बात को लेकर है। मंगलवार को सीजीटीएन चैनल के प्रस्तुतकर्ता झेंग जूनफेंग ने सवाल उठाया था कि इजराइल के लिए अमेरिकी सहयोग क्या सचमुच साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित है। उन्होंने कहा, कुछ लोग मानते हैं कि अमेरिका की इजराइल की पक्षधर नीति में अमेरिका पर सम्पन्न यहूदियों का प्रभाव और अमेरिकी विदेश नीति निर्माताओं पर यहूदियों की लॉबी का प्रभाव दिखता है।

ताइवान स्ट्रेट से गुजरा अमेरिकी नौसेना का जहाज, चीन ने जताया कड़ा एतराज

बीजिंग। चीन ने बुधवार को हाल ही में ताइवान स्ट्रेट से होकर अमेरिकी नौसेना के एक जहाज के गुजरने का विरोध किया और इसे उकसावे वाला कदम करार दिया जिसने क्षेत्र में शांति और स्थिरता को प्रभावित किया है। अमेरिकी नौसेना के 7वें बेड़े ने कहा कि निर्देशित मिसाइल विध्वंसक यूएसएस कर्टिस विल्बर ने अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार मंगलवार को एक नियमित दौरे पर ताइवान स्ट्रेट से गुजरा। यह मार्ग एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए अमेरिकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नौसेना ने एक बयान में कहा, ÷अमेरिकी सेना अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार कहीं भी उड़ान, समुद्र में जहाज का संचालन करना जारी रखेगी। यह जलडमरूमध्य क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में आता है, जबकि चीन स्व-शासित ताइवान को उसका क्षेत्र होने का दावा करता है और इस क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना की उपस्थिति को द्वीप की लोकतांत्रिक सरकार के प्रति समर्थन का प्रदर्शन मानता है। रक्षा मंत्रालय की वेबसाइट पर एक बयान में, पूर्वी थिएटर कमांड के प्रवक्ता कर्नल झांग चुनहुई ने कहा कि अमेरिकी कार्रवाई ताइवान के स्वतंत्र बलों को गलत संकेत भेज रही है, जानबूझकर क्षेत्रीय स्थिति को प्रभावित कर रही है और पूरे ताइवान स्ट्रेट में शांति और स्थिरता को खतरे में डाल रही है। उन्होंने कहा कि चीनी बलों ने जहाज पर नजर रखी और उसकी निगरानी की और सभी खतरों तथा उकसावे के खिलाफ सख्ती से पहरा दिया।

अमेरिका-भारत सीईओ मंच के अमेरिकी वर्ग में नियुक्त की जाएंगी 20 कॉरपोरेट हस्तियां

वाशिंगटन। बाइडेन प्रशासन ने अमेरिका-भारत सीईओ मंच के अमेरिकी वर्ग में 20 कॉरपोरेट हस्तियों को नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अमेरिका-भारत सीईओ मंच की स्थापना 2005 में साझा हितों पर चर्चा करने और दोनों देशों के व्यापारिक समुदायों को एक साथ लाने के लिए हुई थी। इस मंच में अमेरिका और भारत के निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ ही दोनों देशों के वाणिज्य सचिव भी शामिल हैं। अमेरिकी वाणिज्य विभाग के अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रशासन ने मंगलवार को अमेरिकी सीईओ से इस विशेष समूह का हिस्सा बनने के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार अमेरिका और भारत के बीच व्यापार तथा आर्थिक संबंधों को बढ़ाने के लिए इस मंच के जरिए निजी क्षेत्र अपनी सिफारिशें कर सकेगा और अपनी राय बता सकेगा।

संक्षिप्त समाचार

सिंगापुर के इंटरनेट यूजर्स CM केजरीवाल पर भड़के, बोले-'गलत सूचना फैलाई, मांगो माफी'

सिंगापुर: सिंगापुर में इंटरनेट उपयोक्ता ने देश में कोरोना वायरस का 'बहुत खतरनाक' स्वरूप व्याप्त होने के दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के दावे की आलोचना की है और उनपर 'गलत सूचना फैलाने' का आरोप लगाते हुए माफी की मांग की है। साथ ही इसमें तथ्य जांच की सिफारिश की है। सोशल मीडिया पर सिंगापुरवासियों की गुस्से से भरी प्रतिक्रियाएं केजरीवाल के ट्वीट पर आईं जिसमें उन्होंने कहा है कि सिंगापुर में पाया गया कि कोरोना वायरस का नया स्वरूप भारत में तीसरी लहर लेकर आ सकता है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने मंगलवार को ट्वीट किया था, 'सिंगापुर में कोरोना वायरस का नया स्वरूप बच्चों के लिए बहुत खतरनाक बताया जा रहा है। यह तीसरी लहर के रूप में दिल्ली पहुंच सकता है। मेरी केंद्र सरकार से अपील है, 1. तत्काल प्रभाव से सिंगापुर से सभी हवाई सेवाएं रद्द करें, 2. प्राथमिकता के आधार पर बच्चों के लिए टीका विकल्पों पर काम करें।' केजरीवाल के ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए, सिंगापुर के स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार रात को कहा, 'खबरों में जो भी दावे किए जा रहे हैं उनमें कोई सच्चाई नहीं है।' इसने एक बयान में कहा, ''वायरस को कोई सिंगापुरी स्वरूप नहीं है। हाल के हफ्तों में कोविड-19 के कई मामलों में जो स्वरूप दिख रहा है वह बी.1.617.2 है जिसकी उत्पत्ति भारत में हुई थी। वंशावली परीक्षण में इस बी.1.617.2 प्रकार को सिंगापुर में वायरस के कई क्लस्टरों के साथ जुड़ा हुआ पाया गया है।' सिंगापुर के प्रख्यात ब्लॉगर एम ब्राउन ने लिखा, 'दिल्ली के मुख्यमंत्री। बी1617स्वरूप आपके देश से आया है।' हैंडल 'अंतराअनेजा' से एक ट्विटर उपयोक्ता ने कहा कि सिंगापुर के स्कूल बी.1.617.2 स्वरूप की वजह से बंद हैं, 'असल में तथ्य की जांच और गलत सूचना फैलाने के लिए माफी मांगी जानी चाहिए।' सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन ने बुधवार को ट्वीट किया कि, 'नेताओं को तथ्यों पर टिके रहना चाहिए। वायरस का कोई 'सिंगापुरी स्वरूप' नहीं है।'

चेतावनी: 'फिलीस्तीन-इजरायल संघर्ष धार्मिक युद्ध में बदलने खतरा, पूरी दुनिया भुगतेगी परिणाम'

काहिरा:

फिलीस्तीनी राष्ट्रपति के धार्मिक और इस्लामी मामलों के सलाहकार महमूद अल-हब्बाश ने चेतावनी देते हुए कहा कि इज़राइल तथा फिलीस्तीनियों के बीच मौजूदा सशस्त्र टकराव बड़े पैमाने पर धार्मिक युद्ध में तब्दील हो सकता है, जिसके परिणाम दुनिया को भुगतने पड़ सकते हैं। हब्बास ने बुधवार को कहा कि फिलिस्तीनी प्राधिकरण ने 'इजरायल द्वारा यरूशलेम में पवित्र स्थलों के उल्लंघन के साथ-साथ यहूदी बस्तियों में बसने वालों की ओर से चरमपंथी कार्रवाइयों के कारण धार्मिक युद्ध के संभावित प्रकोप की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा,''यदि यथास्थिति बनी रहती है और अगर इजरायल एवं इसके द्वारा बसाए गए लोग फिलिस्तीनियों और मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं को भड़काना बंद नहीं करते हैं, तो दुनिया को एक धार्मिक युद्ध का सामना करना पड़ेगा जिसकी आग फिलिस्तीन से बाहर निकल जाएगी और पूरी दुनिया को इसके परिणाम भुगतने होंगे। फिलीस्तीनी परिवारों की योजनाबद्ध बेदखली को लेकर पूर्वी यरुशलेम में हाल ही में फिर से शुरू हुई लड़ाई ने हाल के वर्षों में इजरायल और फिलिस्तीनियों के बीच सबसे खराब हिंसा को जन्म दिया है। इस दौरान फिलीस्तीनी चरमपंथियों ने गाजा से इजरायल की ओर हजारों रॉकेट दागे हैं। इजरायल ने भी जवाबी हमले किए हैं और इस संघर्ष में अब तक कई लोगों की जानें जा चुकी हैं तथा कई घायल हुए हैं।

तनाव के बीच ताइवान ने हांगकांग का कार्यालय किया बंद

हांगकांग।

ताइवान और हांगकांग में बिगड़ते संबंधों के बीच ताइवान में हांगकांग का कार्यालय मंगलवार से आधिकारिक रूप से बंद कर दिया गया। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने सूत्रों के हवाले से बताया कि हांगकांग आर्थिक, व्यापार और सांस्कृतिक कार्यालय (ताइवान) को तत्काल प्रभाव से बंद करने का निर्णय संवैधानिक और मुख्यभूमि मामलों के ब्यूरो द्वारा किया गया है। यह कार्यालय दिसंबर 2011 में हांगकांग और ताइवान के बीच व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने की प्राथमिक भूमिका के साथ खोला गया था। एक आधिकारिक बयान के अनुसार ताइवान में हांगकांग के निवासियों की सहायता के लिए सामान्य पूछताछ और अनुरोधों पर कार्रवाई यथावत होती रहेगी। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार हांगकांग व्यापार विकास परिषद के ताइवान कार्यालय की महाप्रबंधक स्टेला पून वाई-सम ने घोषणा की कि वह मार्च के अंत में व्यक्तिगत करियर विकास का हवाला देते हुए अपना पद छोड़ देंगी। दरअसल स्थानीय निवासी चान टोंग-काई जिसपर 2018 में ताइवान यात्रा के दौरान अपनी प्रेमिका की हत्या करने का संदेह है, को भेजने से इंकार करने के बाद हांगकांग और ताइवान के बीच संबंध पिछले कुछ वर्षों में तनावपूर्ण हैं। ताइवान की मुख्यभूमि मामलों की परिषद के अनुसार स्थिति तब और खराब हो गई जब ताइपे ने हांगकांग पर शहर में अपने वास्तविक वाणिज्य दूतावास के कर्मचारियों के लिए वर्क परमिट को नवीनीकृत करने के अनुरोधों को नजरअंदाज किया और उसके आठ कर्मचारियों का परमिट समाप्त होने के बाद हांगकांग में रहना मुश्किल हो गया। परिषद

के सूत्रों के अनुसार, 'समानता और पारस्परिकता' और 'राष्ट्रीय गरिमा को बनाए रखने' का हवाला देते हुए ताइपे ने द्वीप के आधार पर हांगकांग के अधिकारियों के लिए वर्क परमिट जारी करना या नवीनीकरण करना बंद कर दिया है।

बता दें कि ताइवान के चीन के साथ भी तनावपूर्ण संबंध हैं। बीजिंग ताइवान पर पूर्ण संप्रभुता का भी दावा करता है जबकि ताइवान का दावा है कि वह 24 मिलियन लोगों का लोकतंत्र है।

संपादकीय

प्लाज्मा थेरेपी पर फैसला

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने प्लाज्मा थेरेपी को कोविड-19 के लिए स्वीकृत इलाज की सूची से हटाने का फैसला किया है। पिछले साल भारत में हुए एक बड़े अध्ययन में पाया गया था कि प्लाज्मा थेरेपी से कोविड-मरीजों को कोई फायदा नहीं होता। इसके बावजूद आईसीएमआर के दिशा-निर्देशों में इलाज का यह तरीका बना रहा। इसके बाद भी कई अध्ययनों से यही निष्कर्ष निकला कि इससे न तो कोविड संक्रमण की गंभीरता कम होती है, और न ही मरीज के जल्दी स्वस्थ होने की कोई उम्मीद होती है। पिछले दिनों ब्रिटेन में पांच हजार मरीजों पर एक बड़ा अध्ययन किया गया, जिसके नतीजे 14 मई को प्रतिष्ठित चिकित्सा पत्रिका लैन्सेट में छपे हैं। ये नतीजे भी यही बताते हैं कि कोविड-19 के इलाज में प्लाज्मा थेरेपी की कोई उपयोगिता नहीं है। कुछ समय पहले भारत के कई प्रमुख डॉक्टरों और वैज्ञानिकों ने केंद्र सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार डॉक्टर के विजय राघवन को चिट्ठी लिखकर प्लाज्मा थेरेपी को मान्यता प्राप्त इलाज की सूची से हटाने की मांग की थी। इन वैज्ञानिकों का कहना था कि प्लाज्मा थेरेपी अतार्किक व अवैज्ञानिक है और इसका कोई लाभ नहीं है। इसके अलावा, कोरोना के दौर में प्लाज्मा हासिल करना भी मुश्किल काम है। मरीजों के परिजनों को इसके लिए बेवजह ही भटकना पड़ता है। इन वैज्ञानिकों ने एक और गंभीर खतरे की ओर इशारा किया है। उनका कहना है कि प्लाज्मा थेरेपी के अनियंत्रित इस्तेमाल से हो सकता है कि वायरस के कहीं ज्यादा खतरनाक नए रूप पैदा हो जाएं। इन सब प्रमाणों और चेतावनियों के मद्देनजर आईसीएमआर ने प्लाज्मा थेरेपी को हटाने का फैसला किया है। हालांकि, हम नहीं कह सकते कि प्लाज्मा थेरेपी का इस्तेमाल पूरी तरह से बंद हो जाएगा, क्योंकि कोविड के इलाज के लिए डॉक्टर और मरीजों के परिजन अक्सर जो भी इलाज संभव होता है, वह करते हैं, चाहे उसका असर प्रमाणित हो या न हो। लेकिन समझदार डॉक्टर इसका इस्तेमाल करने से बचेंगे और मरीज के परिजन प्लाज्मा हासिल करने की जद्दोजहद से। जब प्लाज्मा थेरेपी को मान्यता दी गई थी, तब भी इसकी विश्वसनीयता असंदिग्ध नहीं थी। तब कोरोना की पहली लहर तबाही मचा रही थी और इसके इलाज के बारे में बहुत कम जानकारी थी। लोग हर उस इलाज को आजमाने को तैयार थे, जिससे कुछ भी उम्मीद हो। प्लाज्मा थेरेपी के पीछे तर्क यही था कि जो लोग कोरोना से उबर जाते हैं, उनके रक्त में कोविड-19 के खिलाफ एंटीबॉडी बन जाती हैं, जो उनकी कोरोना से रक्षा करती हैं। यदि कोरोना से उबरे हुए व्यक्ति के रक्त का प्लाज्मा किसी मरीज को चढ़ाया जाए, तो ये एंटीबॉडी वहां कोरोना के खिलाफ लड़ने में कारगर हो सकती हैं। यह तर्क सुनने में जितना जायज लगता है, व्यवहार में उतना कारगर साबित नहीं हुआ। वैसे भी, आईसीएमआर ने इसे 'ऑफ लेबल' इलाज के तौर पर मान्यता दी थी, जिसका तकनीकी मतलब जो भी हो, व्यावहारिक मतलब यही था कि इसके असर के बारे में पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता। कोरोना का बहुत विश्वसनीय इलाज ढूंढने की जद्दोजहद अब भी जारी है, इस बीच चिकित्सा विज्ञान भी बहुत कुछ सीख रहा है, अपनी कामयाबियों से, और कुछ अपनी गलतियों से। यह भी एक ऐसा ही उदाहरण है।

आज के ट्वीट

जिम्मेदारी

कोरोना को हराना हम सबकी जिम्मेदारी है। इसके लिए हम मास्क पहनेंगे एवं अपनी बारी आने पर वैक्सीन अवश्य लगवाएंगे। सबकी साझेदारी से ही कोरोना को रोका जा सकता है।

-- मु. अशोक गहलोत

सेवा परमो धर्मः- सेवा ही जिनका जीवन संदेश है

कुसुम चोपड़ा

पूरी दुनिया में इन दिनों कोरोना महामारी के दौरान अफरा-तफरी और दहशत का माहौल है। हर किसी के पास इस भयावह दौर की तकरीबन जैसी स्याह तस्वीर है- अपनों को खोने का दर्द, अस्पतालों में बेड के लिए दौड़-भाग, ऑक्सीजन की कमी के चलते जान गंवाते लोग। हर किसी को अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा की चिंता है। लेकिन इसी बीच कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो अपनी परवाह न कर कोरोना पीड़ितों की मदद में लगे हैं। बहुत-सी धार्मिक संस्थाएं, एनजीओ के अलावा व्यक्तिगत तौर पर भी काफी लोग मदद के लिए बढ़-चढ़कर आगे आ रहे हैं। इन सबके बीच एक समुदाय ऐसा है, जो निःस्वार्थ भाव से निरंतर पीड़ितों की मदद में लगा है। हम बात कर रहे हैं सिख धर्म की। वह धर्म, जिसकी नींव ही सेवा परमो धर्म- के मंत्र से पड़ी है। सिख धर्म का नाम आते ही जहन में सबसे पहले जो बात आती है वह गुरुद्वारा साहिब और इनमें चलाए जाने वाले अटूट लंगर। सभी धर्मों के लोग गुरुद्वारा जाते हैं और यहां बनने वाले स्वादिष्ट गुरु के लंगर का आनंद लेते हैं। इसके आगे शायद ही आपने कभी जानने की कोशिश की हो कि आखिर सिखों में परोपकार की इतनी भावना क्यों है। क्यों हर आपदा की घड़ी में यह समुदाय सबसे आगे खड़ा मिलता है, फिर चाहे अपना देश हो या दुनिया का कोई भी कोना। क्यों ये लोग अपना स्वार्थ न देखकर दूसरों की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। सिख धर्म के संस्थापक श्री गुरू नानक देव जी के मूल सिद्धांत सेवा, विनम्रता और समानता है। पंजाबी भाषा में 'सिख' शब्द का अर्थ 'शिष्य' होता है। सिख ईश्वर के वे शिष्य हैं, जो दस सिख गुरुओं के लेखन और शिक्षाओं का पालन करते हैं। सिख एक ईश्वर में विश्वास करते हैं। इनका मानना है कि अपने हर काम में ईश्वर को याद करना चाहिये। इसे सिमरन या सुमिरण कहा जाता है। सिख मानते हैं कि सभी 10 धर्मगुरुओं में एक ही आत्मा का वास था। 10वें श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने (1666-1708) ने खालसा पंथ को पवित्र ग्रंथ श्रीगुरुग्रंथ साहिब को ही अपना सबकुछ मानने की हिदायत दी थी, जिसके बाद सिख समुदाय श्रीगुरुग्रंथ साहिब को ही अपना गुरु मानते हैं। श्री गुरुनानक देव जी का मुख्य उपदेश था- ईश्वर एक है, उसी ने सबको बनाया है। हम सभी एक ही ईश्वर की संतान हैं। गुरु साहिब ने अपने शिष्यों को तीन बड़ी शिक्षाएं दीं- किरत करो नाम जपो और वंड छको (मेहनत करें, नाम जपें, और बांट कर खाएं)। कार सेवा इन्हीं शिक्षाओं का ही अंश है, जिसका अर्थ है दूसरों की निःस्वार्थ सेवा। सिख धर्म आज भी इन्हीं शिक्षाओं पर कायम है और इसका अनुशरण करते हुए वह चुपचाप से लोगों की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहता है।

कोरोना महामारी के इस मुश्किल दौर में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने दिल्ली के रकाबगंज गुरुद्वारा साहिब की 400 ऑक्सीजन बेड वाला एक कोविड केयर सेंटर तैयार किया गया है। इसकी खास बात यह है कि इस सेंटर में बिलिंग काउंटर नहीं बनाया गया अर्थात यहां कोरोना पीड़ित लोगों की निःशुल्क देखभाल की जाती है। इस सेंटर को लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल के साथ अटैच किया गया है। अगर किसी मरीज कि तबियत ज्यादा बिगड़ती है तो उसे तुरंत लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में शिफ्ट किया जाएगा। देश में सरकार और सेना के बाद 10 दिनों में बनाया गया ये पहला सेमी-हॉस्पिटल है। आईसीयू को छोड़कर यहां इलाज, एम्बुलेंस, दवा हर तरह की सुविधाएं हैं। 5 लीटर से लेकर 20 लीटर ऑक्सीजन की जरूरत वाले मरीज के लिए भी यहां उचित व्यवस्था की गई है। बीते दिनों जब देश की राजधानी दिल्ली में ऑक्सीजन की कमी के चलते कई लोगों की जान पर बन आई थी तो सिख समुदाय के हर छोटे-बड़े गुरुद्वारा साहिब में ऑक्सीजन का ही लंगर लगा दिया गया। मरीजों को गुरुद्वारा साहिब के आंगन में बिठाकर ऑक्सीजन दी गई, ताकि अस्पताल पहुंचने से पहले उनकी हालत स्थिर हो सके। इन दिनों कोरोना की रफ्तार को रोकने के लिए लगभग हर राज्य में लॉकडाउन और अन्य कई तरह की पाबंदियां लगाई गईं हैं, जिसकी वजह से दिहाड़ी मजदूर व अन्य गरीब तबका बेरोजगार हो गया है। इन लोगों को भरपेट भोजन भी नसीब नहीं हो पा रहा है। ऐसे में सिख धर्म के लोग इन सबके लिए मसीहा बनकर आगे आए हैं। देश के हर गुरुद्वारा साहिब में ऐसे लोगों के लिए अटूट लंगर की सेवा की जाती है। दिल्ली के गुरुद्वारा बंगला साहिब में सुबह तीन बजे से लंगर की तैयारी शुरू हो जाती है। यहां करीब एक लाख लोगों के लिए खाना पकाया जाता है। हर रोज दाल, रोटी और चावल तैयार किया जाता है। इसके लिए पैसे दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी और लोगों के चढ़ावे से आते हैं। दिल्ली और एनसीआर में कई जगहों पर यह लंगर बांटा जा रहा है। गुरुद्वारा साहिब के सेवक या वॉलंटियर पता लगाते हैं कि किन इलाकों में भोजन की ज्यादा जरूरत है। कई बार स्थानीय एनजीओ और सरकार भी इन्हें इसकी जानकारी देते हैं। वहीं सिखों का मक्का कहे जाने वाले अमृतसर के श्री हरिमंदिर साहिब में दुनिया की सबसे बड़ी रसोई है, जहां हर दिन एक लाख से भी ज्यादा लोग लंगर छकते हैं। इस मुश्किल समय में जो लोग अपना पेट भरने में असमर्थ हैं, उनके लिए गुरुद्वारा साहिब की ओर से करवाया जा रहा लंगर जीवनदान देने से कम नहीं है। केवल देश में ही नहीं, विदेशों में भी सिखों ने अपने सेवाभाव से लोगों का दिल जीत लिया है। पिछले साल अमेरिका में जब कोरोना का प्रकोप चरम पर था तो उस समय भी सिख धर्म के लोगों ने आम लोगों के साथ-साथ मरीजों की देखभाल में लगे डॉक्टरों और अन्य हेल्थ वर्कर्स तक को भी भोजन मुहैया करवाया। कोरोना से लड़ाई में सिख समुदाय के योगदान को देखते हुए न्यू जर्सी के गवर्नर फिल मर्फी ने वैशाखी के मौके पर सिख धर्म की जमकर तारीफ की। उन्होंने सिख समुदाय को दिए अपने संदेश में कहा कि सिख धर्म में सेवा, समानता एवं गरिमा के मूल्य कूट-कूट कर भरे हैं। इस समय जब दुनिया कोविड-19 महामारी से जूझ रही है तो ऐसे में ये मूल्य बहुत महत्व रखते हैं। वहीं ब्रिटेन में बसे पंजाबी मूल के बीस सिखों ने सद्भावना और समानता की ऐसी मिसाल पेश की कि दुनिया इनकी कायल हो गई। बीती 21 अप्रैल को महारानी एलिजाबेथ-2 के जन्मदिन पर इन सभी को ब्रिटिश एम्पायर अवार्ड से भी सम्मानित किया गया। कहने का मतलब यह कि सिख समुदाय के लोग दुनिया के किसी भी कोने में हो, अपना धर्म और सेवा कभी नहीं छोड़ते। खासतौर से जब कोई संकट की घड़ी आती है तो सिख ही सबसे आगे खड़े मिलते हैं और दूसरों की सेवा से कभी पीछे नहीं हटते। सेवा से ना सिर्फ लोगों को उस संकट की घड़ी से उबारते हैं, बल्कि उनके दिलों में भी हमेशा के लिए अपनी एक खास जगह बना लेते हैं। इन मुश्किल हालातों में एक तरफ जहां कुछ लोग जीवनरक्षक उपकरणों और दवाइयों की कालाबाजारी और जमाखोरी में जुटे हैं, वहीं सिखों की यही सेवा भावना हर किसी का दिल जीत रही है। श्रीगुरुग्रंथ साहिब में लिखा है-

विच दुनिया सेव कमाईये तां दरगह बैसण पाईए

अर्थात, दुनिया में आकर सेवा करेंगे, तभी उस परमात्मा की हुजूरी में बैठने की जगह मिलेगी।

(लेखिका, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

ज्ञान गंगा

आत्मिक परिष्कार

श्रीराम शर्मा आचार्य

साधना से सिद्धि मिलती है, इसमें दो राय नहीं हैं। सिद्धि वस्तुतः अपने आपको, अपनी अंतरात्मा को सिद्ध करने का दूसरा नाम है। साधना हम अपनी इन्द्रियों, मन, बुद्धि और चित्त की करते हैं। इनके सध जाने पर अंतःकरण परिष्कृत हो जाता है। ऐसा अंतःकरण ही वह कल्पवृक्ष है, जिसकी छाया में बैठा व्यक्ति मनचाही मुरादें पूरी कराता रह सकता है। अस्तु, सिद्धियों का रहस्य अपनी आत्म-समीक्षा द्वारा आत्म परिष्कार का मार्ग बनाना है। मात्र कपोल कल्पनाओं का सहारा लेकर आत्म सुधार का मार्ग प्रशस्त नहीं हो सकता। सही ढंग से की गई आत्म समीक्षा में कोई कमी रह जाती है, तो उसे प्रयास करके प्राप्त किया जा सकता है। कर्मकांडों के बल पर भौतिक जीवन में भी प्रगति बन पड़ती है। बिना कुछ किए तो भोजन भी मुंह में नहीं जाता पर लक्ष्य ईश्वर को प्राप्त करना हो तो मात्र कर्मकांडों के ही बल पर लक्ष्य प्राप्त करना संभव न होगा। आंतरिक परिष्कार करना ही पड़ेगा, अपने चिंतन, चरित्र और व्यवहार में आदर्शवादी मान्यताओं को समाविष्ट करना पड़ेगा। आत्म निरीक्षण करते समय सर्वप्रथम शरीर और आत्मा को एक दूसरे से सर्वथा भिन्न अनुभव करना चाहिए। इसके बिना माया और ब्रह्म, स्थूल एवं चैतन्य के बीच का अंतर अनुभव कर पाना संभव नहीं है। जब तक चेतना अपने को शरीर और उसकी शुभ चिंतक मानती रही है, तब तक जीव, माया-जाल में बंधा रहता है। आत्म तत्त्व का भी शरीर के समान विकास संभव हो सके, इसके लिए आषर्ग्रथों से लेकर अनुभवी ऋषि-मुनियों ने जो मार्ग बताए हैं, उनमें प्रथम है तपचर्या अर्थात् अपनी नियमित जीवनचर्या में हो रही त्रुटियों का कठोरतापूर्वक दमन। अभ्यास में, आदत में आ गई दुष्प्रवृत्तियां आसानी से पीछा नहीं छोड़तीं। इनके साथ कठोरता का व्यवहार करना पड़ता है। तपचर्या रूपी कठोरता का यह अभिप्राय कदापि न लगाया जाए कि शरीर को पीड़ा या कष्ट देना ही तपचर्या है। तपचर्या की कठोरता का अर्थ संकल्पपूर्वक सशक्त मनोबल का विकास करना है, जो दुष्प्रवृत्तियों से, अभ्यस्त कुपथगामी आदतों से मल्लयुद्ध करके उन्हें परास्त कर सके। इसे आत्मिक परिष्कार भी कहा जा सकता है।

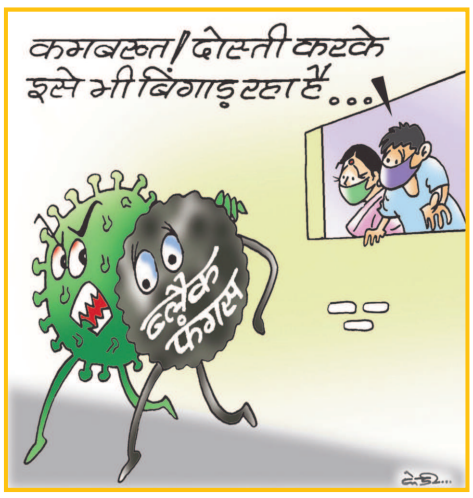

आज का राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

पड़ोसी देश नेपाल में राजनीतिक उठापटक आज भी जारी है

(लेखक- अशोक भाटिया)

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली देश की संसद के निचले सदन में बहुमत साबित नहीं कर सके। इसके बाद अपने आप उनके हाथ से पीएम की कुर्सी चली गई। दूसरी ओर, सरकार बनाने के लिए जुगत और प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। नेपाल की राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी ने सभी पार्टियों से बहुमत की सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए कहा है। इससे पहले विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति से नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू करने की अपील की थी। संसद में बहुमत के लिए जरूरी 136 वोट न मिलने से ओली को बड़ा झटका लगा। उन्होंने बाद में कैबिनेट की एक बैठक भी की। वहीं दूसरी ओर विपक्षी दलों- नेपाली कांग्रेस, कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल(माओवादी केंद्र) और जनता समाज पार्टी के एक धड़े ने राष्ट्रपति भंडारी से अपील की कि नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू की जाए। उन्होंने भंडारी से आर्टिकल 76 (2) लागू करने की अपील की जिसमें स्पष्ट बहुमत न मिलने पर राष्ट्रपति को पीएम नियुक्त करने का अधिकार दिया गया है। नेपाल में जब के.पी. ओली सरकार का गठन हुआ था तब से ही इस बात की आशंकाएं व्यक्त की जाने लगी थीं कि सरकार में शामिल प्रमुख दलों में मतभेदों के चलते टकराव जरूर होगा और ऐसे में सत्ता में बने रहने के लिए शक्ति संतुलन को लम्बे समय तक साधे रखना मुश्किल होगा। पिछले कुछ महीने से जो सियासी तस्वीर बन रही थी कि के.पी. शर्मा ओली की सरकार का गिरना तय है। वही हुआ ओली नेपाल संसद में विश्वासमत का सामना नहीं कर पाए। नेपाल की संसद में कुल 271 सदस्य हैं जिसमें सरकार बचाने के लिए कम से कम 136 सदस्यों के समर्थन की जरूरत थी। जोड़-तोड़ तो ओली ने बहुत की लेकिन उनके पक्ष में 93 सदस्यों ने ही मतदान किया। 15 सदस्य तटस्थ रहे। नेपाल की राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने विपक्ष को तीन दिन के भीतर सरकार बनाने का दावा पेश करने को कहा है अगर विपक्ष सरकार बनाने के लिए संख्या बल जुटा पाता है तो नेपाल नए चुनावों से बच जाएगा। नेपाल के संविधान में प्रावधान है कि यदि विपक्ष सरकार बनाने में विफल रहता है तो संसद में सर्वाधिक संख्या वाले दल के नेता को ही प्रधानमंत्री नियुक्त कर दिया जाएगा। इस तरह नेपाल में ओली भले ही विश्वासमत हार गए हों कुर्सी का खेल जारी है। क्योंकि ओली की पार्टी सीपीएन-यूएमएल के संसद में अब भी 120 सदस्य हैं, जबकि पुष्प दहल कमल प्रचंड की पार्टी के केवल 48 सांसद ही हैं। जनता समाजवादी पार्टी के 32 जबकि नेपाली कांग्रेस के 61 सांसद हैं। संख्या बल के हिसाब से पलड़ा ओली का भारी है। अगर नेपाली कांग्रेस के शेर बहादुर देऊबा अपने साथ जनता समाजवादी पार्टी और कुछ अन्य सांसदों को जोड़ भी लें तो भी वे 136 का आंकड़ा नहीं जुटा सकते। देखना होगा कि प्रचंड क्या निर्णय लेते हैं। के.पी. शर्मा ओली को चीन समर्थक माना जाता है। उन्होंने भारत विरोधी रुख अपनाया और देश में राष्ट्रवाद की भावनाओं को उभार कर पार्टी और सरकार में अपनी स्थिति मजबूत बनाने की कोशिश की। उन्होंने श्रीराम और अयोध्या को लेकर अनर्गल बयानबाजी भी और कहा कि श्रीराम का जन्म नेपाल में हुआ और अयोध्या भी नेपाल में ही है। उन्होंने भारतीय क्षेत्रों काला पानी, लिपुलेख आदि नेपाल के नक्शे में दिखा सीमा विवाद खड़ा किया। ओली जब से प्रधानमंत्री बने तभी से वो अक्सर अपने ऊपर आए संकट से ध्यान हटाने के लिए भारत विरोधी राजनीति का सहारा लेते आ रहे हैं। ओली को जब पहली बार अल्पमत में आने पर इस्तीफा देना पड़ा था तब उन्होंने भारत पर आरोप लगाए थे। इन सभी विवादों में चीनी राजदूत यांगकी की भूमिका अहम मानी जा रही है। नेपाल के प्रधानमंत्री के दफ्तर से लेकर सेना मुख्यालय तक में यांगकी की सीधी पहुंच है। राजनीतिक संकट के दौरान चीनी प्रतिनिधिमंडल ने काठमांडौ आकर ओली और प्रचंड में समझौता कराने की कोशिश भी की थीं। दरअसल नेपाल में राजनीतिक संकट की पृष्ठभूमि पिछले वर्ष दिसम्बर में ही तैयार हो गई थी जब प्रधानमंत्री ओली ने मंत्रिमंडल की आपात बैठक बुलाई और संसद को भंग करने का फैसला किया। उस फैसले को आनन-फानन में इसके बाद राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने मंजूरी भी दे दी और मध्यावधि चुनाव की घोषणा कर डाली। जब इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे दी गई तो अदालत ने प्रतिनिधि सभा बहाल करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट का फैसला ओली के लिए झटका जरूर था लेकिन सियासत के माहिर खिलाड़ी की तरह उन्होंने विश्वासमत हासिल करने का पैंतरा फैंका। उन्हें पता है कि वह अब भी कुर्सी पर काबिज हो सकते हैं। 1966 से ही नेपाल की सियासत में सक्रिय रहे ओली के लिए तत्कालीन अधिनायकवादी पंचायत व्यवस्था के खिलाफ आंदोलन में शामिल होना टर्निंग प्वाइंट था। तब नौवीं कक्षा में पढ़ने वाले ओली के भीतर की आग का इस्तेमाल तत्कालीन राजशाही ने किया और अपने मोहरे के तौर पर पंचायत व्यवस्था के खिलाफ लड़ने वाले एक चेहरे के तौर पर इस्तेमाल किया। राजशाही लगातार उनकी पीठ थपथपाती रही। बाद में वह कम्युनिस्ट आंदोलन में शामिल हो गए। चीन उनके लिए आदर्श बन गया। राजशाही के खिलाफ आंदोलन में भी वह भूमिगत रहकर काफी सक्रिय थे। 90 के दशक में ओली पूरी तरह राजनीति का अहम चेहरा बन गए। कोइराला सरकार में वह उपप्रधानमंत्री भी रहे। कम्युनिस्ट आंदोलन के उभार, राजशाही के विरोध और नेपाल में लोकतंत्र बहाली आंदोलन के दौरान उभरे माओवादी नेता प्रचंड से उनकी वैचारिक सहमति हमेशा से रही। प्रधानमंत्री बनने के बाद ओली चीन का मोहरा बन गए। देखना होगा नेपाल की सियासत क्या मोड़ लेती है। ओली आज भी निश्चिंत होकर नेपाल के लोगों को महामारी से बचाने के लिए दुनिया से मदद मांग रहे हैं। आक्सीजन के लिए तय सुविधाएं जुटाने का प्रयास कर रहे हैं। जहां तक राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी का सवाल है, उन्होंने हमेशा ओली के पक्ष में ही काम किया है।

रंगबिरंगे फूलों की घाटी मनाली

आग बरसाते जून के महीने में पहाड़ी वादियों की ठंडक तन और मन को बेहद आराम देती है। यदि आप ठंडे और शांत माहौल की तलाश में हैं तो भी मनाली आपको खूब भाएगा। यही सोचकर भारी संख्या में पर्यटकों ने पहाड़ों का रुख कर लिया है। आप भी कहीं जाने की बात सोच रहे हैं तो आपके लिए हिमाचल प्रदेश का मनाली एक अच्छी जगह साबित हो सकती है। आप एडवेंचर के शौकीन हैं तो आपके लिए यहां ट्रैकिंग, माउंटेनियरिंग, स्कीइंग, पैरा ग्लाइडिंग आदि की व्यवस्था मिल जाएगी।

प्रकृति ने मनाली को खुले हाथों से नूर बख्शा है। कुल्लू घाटी के प्रमुख पर्यटक स्थल मनाली में आकर हर कोई अपने आपको स्वर्ग में पाता है। हरी भरी वादियों ऊंचे-नीचे पहाड़ों पर दूर-दूर तक दिखाई देते देवदार के छोटे-बड़े पेड़ प्राकृतिक सौंदर्य को दोगुना कर देते हैं। इनके बीच घुमावदार पहाड़ी पगडंडियों पर चलते लोगों को देखकर खुद भी ट्रैकिंग का मन कर आता है।

दिल्ली से लगभग साढ़े पांच सौ किलोमीटर की दूरी पर स्थित मनाली को रंगबिरंगे फूलों की घाटी भी कहा जाता है। दिसंबर के महीने में यहां हरियाली दूर-दूर तक देखने को नहीं मिलती। कारण है कि पहाड़ों, पेड़ों और घरों पर बर्फ की सफेद चादर जो फैली होती है।

गर्मी के मौसम में यहां का तापमान 10 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। लेकिन सर्दी के मौसम में ज्यादातर दिनों में सात डिग्री से नीचे पहुंच जाता है। यहां आने के लिए गर्मी के लिहाज से मार्च से जून और ठंड के लिहाज से अक्टूबर से फरवरी के महीने ज्यादा ठीक रहते हैं।

देखने लायक खास स्थल :

कुल्लू घाटी का असली सौंदर्य मनाली में ही देखने को मिलता है। यहां देखने और घूमने के लिहाज से बहुत से मशहूर स्थल हैं। यहां की सुरमई शाम अलसाती भोर का मजा ही कुछ और है।

कोठी : मनाली से 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है कोठी। यहां से पहाड़ों का मनोरम दृश्य दिखाई देता है। यहां बीस नदी का तेजी से बहता ठंडा पानी अद्भुत नजारा पेश करता है।

राहला फॉल्स, मनाली सैंचुरी : कोठी से दो किमी की दूरी पर बीस नदी पर राहला फॉल्स स्थित है। यहां 50 मीटर की ऊंचाई से गिरता झरने का पानी सैलानियों को खूब लुभाता है। मनाली सैंचुरी में पर्यटक कैपिंग के लिए पहुंचते हैं।

सोलन वैली : यहां से 13 किलोमीटर की दूरी पर स्थित सोलन वैली सैलानियों को खासी आकर्षित करती है। यहां ट्रैकिंग, स्कीइंग और माउंटेनियरिंग के कैंप आयोजित किए जाते हैं। 10 से 14 फरवरी के बीच यहां सालाना विंटर कार्निवाल का आयोजन किया जाता है।

रोहतांग भी है मनाली के पास : मनाली के आस-पास के इलाकों में सैलानियों के लिए बहुत कुछ बिखरा पड़ा है। प्रकृति ने यहां आने वालों के लिए अपना खजाना दोनों हाथों से खोल दिया है। पहाड़ियों पर बने छोटे-छोटे घर और इनके आस-पास फैली हरियाली मन को लुभाती है। यहां से 51 किमी की दूरी पर मशहूर पर्यटक स्थल रोहतांग पास स्थित है। यहां हर साल हजारों की संख्या में सैलानी घूमने के लिए आते हैं।

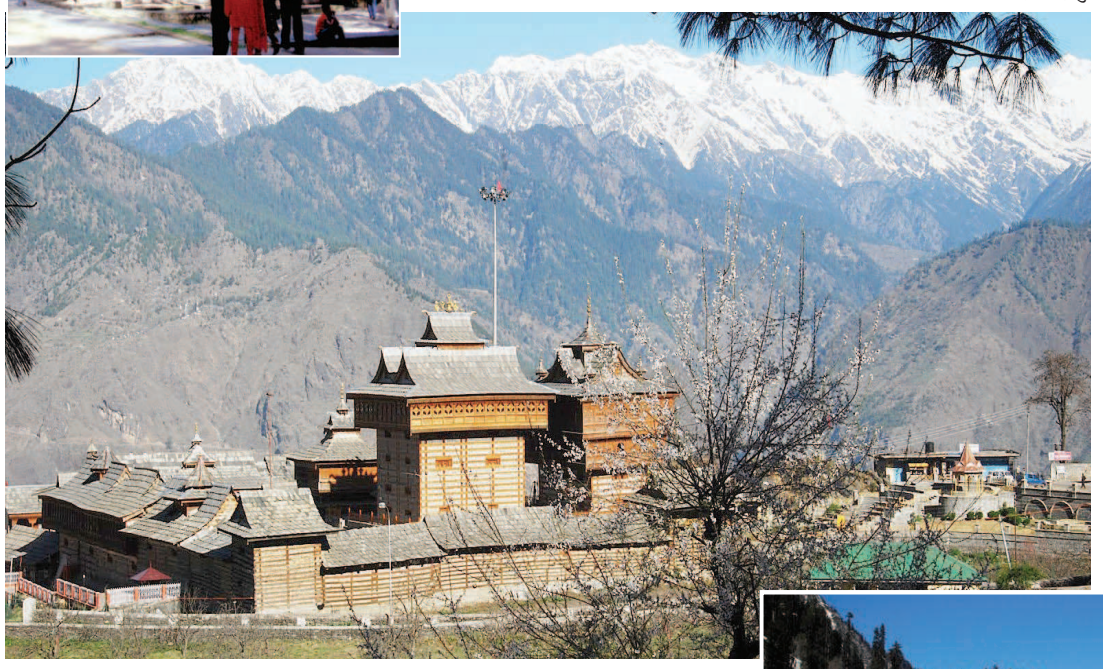

अद्भुत पर्यटक स्थल सराहन घाटी

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला और किन्नौर जिले की सीमा पर बसा सराहन स्वर्ग का एहसास कराने वाला एक सुंदर और अद्भुत पर्यटक स्थल है जो सराहन घाटी के नाम से भी जाना जाता है। यह क्षेत्र कई वर्षों तक पर्यटन के लिहाज से बचा रहा मगर अब पिछले कुछ वर्षों से इस तरफ पर्यटकों की भीड़ बढ़ने लगी है।

इसलिए अब सरकार ने भी इसे पर्यटन के लिए लिहाज से उपयुक्त समझा है। यह शहर समुद्रतल से 7,589 फुट की ऊंचाई पर स्थित है। इतिहास में इसको बुशहर नाम से भी जाना जाता है। इसके अतिरिक्त 51 शक्तिपीठों में से एक भीमाकाली माता का मंदिर भी इसी शहर में है। हिंदू और बौद्ध वास्तुशिल्प से निर्मित यह मंदिर लगभग 2,000 वर्ष पुराना है, मगर इसका जीर्णोद्धार कर इसको पुनः वही आकार दिया गया है।

पत्थरों और लकड़ी के इस्तेमाल से बना यह मंदिर शत-प्रतिशत भूकंपरोधी है। मंदिर के प्रांगण में खड़े होकर आप हिमालय को साक्षात निहार सकते हैं। इस मंदिर के नजदीक ही आपको एक पक्षी-विहार है जिसमें यहां के राज्य-पक्षी मोनाल सहित लगभग हर प्रकार के पहाड़ी पक्षी हैं। सरकार और स्थानीय लोगों के प्रयासों से रास्तों के दोनों तरफ लगाए गए तरह-तरह के फूल लहराते हुए पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

सराहन से लगभग सात किलोमीटर की दूरी पर यदि घाटी से थोड़ा नीचे उतरेंगे तो वहां आपको सतलज नदी का मनोहारी दृश्य मिलेगा। इसके अतिरिक्त सराहन से कुछ ही दूरी पर कामरू का ऐतिहासिक किला, चितकुल घाटी और बस्पा नदी जैसे अन्य पर्यटन स्थल भी हैं जहां आप आसानी आ-जा सकते हैं।

शहर अत्यधिक बड़ा न होने के कारण यहां यातायात के साधनों की आवश्यकता कम ही होती है इसलिए कुछ स्थानों पर पैदल भी घूमा जा सकता है। फिर भी यहां टैक्सी, बस आदि की सुविधा आसानी से मिल जाती है और महंगी भी नहीं है। पर्यटकों की सुविधा के लिए सरकार ने यहां आम से खास तक, सभी के बजट के अनुसार होटल और रेस्ट हाउस आदि का भी विशेष प्रबंध किया है।

यहां आने के लिए सर्दियां उचित समय नहीं है क्योंकि इस मौसम में यहां पर तापमान शून्य से भी नीचे ही रहता है। यहां आने के लिए मार्च से जून और सितंबर से अक्टूबर का समय बहुत ही अच्छा समय है। दिन के समय यहां का तापमान लगभग 30 से 32 डिग्री तक रहता है। मगर रात को ठंड बढ़ जाती है।

यदि अपनी गाड़ी से जा रहे हैं तो ध्यान दें कि शिमला से राष्ट्रीय राजमार्ग 22 से होते हुए रास्ते में थेयोग, नारकंडा, रामपुर और जैओरी नामक कुछ छोटे-छोटे पर्यटन स्थल भी आते हैं जहां आपको पेट्रोल पंप की सुविधा मिलेगी। शिमला से सराहन के बीच लगभग 180 किलोमीटर के इस रास्ते पर जब आप निकलेंगे तो आपका सामना देवदार के घने जंगलों, कई सारे छोटे-बड़े झरनों, खेतों एवं छोटे-छोटे अनेक गांवों से होगा।

इन गांवों से होकर जाने पर आपको उनके पारंपरिक पहनावे और संस्कृति की भी झलक देखने को मिलेगी। सराहन जाने के लिए सड़क मार्ग ही है जो शिमला से टैक्सी, जीप या बस द्वारा भी जाया जा सकता है। यह दूरी लगभग 6-7 घंटे में आसानी से तय की जा सकती है।

यह रास्ता अधिकतर सतलुज नदी के किनारे से गुजरता है, इसलिए इसकी तेज धारा आपको एक नए संगीत की से रू-ब-रू कराएगी। इसके अतिरिक्त जैसे-जैसे आप सराहन के नजदीक पहुंचेंगे वैसे-वैसे आपको मार्ग के किनारे अनेक प्रकार की जड़ी-बूटियां भी नजर आने लगेंगी।

कैसे पहुंचे : मनाली जाने के लिए सड़क मार्ग से अपनी गाड़ी से या फिर बस सेवा ली जा सकती है। हवाई यात्रा करनी है तो लगभग 50 किमी से टैक्सी लेनी होगी।

यात्रा पैकेज :

यदि आने-जाने और ठहरने का कोई झंझट नहीं पालना चाहते तो कई तरह के पैकेज भी उपलब्ध हैं। तीन दिन और रात ठहरने के लिए अलग-अलग होटल में प्रति जोड़ा 11,500 रुपए से 15 हजार रुपए में ठहरना, हर दिन नाश्ता, लंच और डिनर आदि हो जाता है। 23 हजार रुपए में ठहरने, खाने के साथ लोकल साइट सीइंग, डिस्कोथेक, कॉकटेल और स्टीम या सोना बाथ की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। हिमाचल प्रदेश पर्यटन द्वारा खुद भी कई तरह की स्कीम दी जा रही हैं जो आप ले सकते हैं।

भारतीय रिन्यूएबल ऊर्जा क्षेत्र की सबसे बड़ी डील, अडानी ग्रीन ने इस कंपनी को खरीदा

बिजनेस डेस्क: दिग्गज उद्योगपति गौतम अडानी की कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिडेट ने एसबी एनर्जी इंडिया को खरीद लिया है। कंपनी ने बुधवार को इस डील के बारे में बताया। यह डील 3.5 अरब डॉलर यानी करीब 24,000 करोड़ रुपए में हुई जो भारत के रिन्यूएबल सेक्टर के इतिहास में सबसे बड़ी है। अडानी एनर्जी ने इस कंपनी को सॉफ्टबैंक ग्रुप और भारती ग्रुप से खरीदा है। इससे पहले एसबी एनर्जी की **Canadian Pension Plan Investment Board (CPPIB)** से बातचीत चल रही थी लेकिन इवैल्यूएशन पर मतभेदों के कारण यह टूट गई थी। इसके बाद अडानी ग्रीन एनर्जी के साथ उसकी बातचीत तेज हो गई थी। अडानी ग्रीन ने एसबी एनर्जी में सॉफ्टबैंक ग्रुप और भारती ग्रुप की क्रमशः 80 फीसदी और 20 फीसदी हिस्सेदारी खरीद ली।

क्या फायदा होगा

इस अधिग्रहण से अडानी ग्रीन की क्षमता में 4954 मेगावॉट का इजाफा होगा। कंपनी के पोर्टफोलियो में सोलर, विंड और सोलर-विंड हाइब्रिड प्रोजेक्ट शामिल हैं। इनमें से 1,400 मेगावॉट की परियोजनाएं ऑपरेशनल हैं जबकि बाकी पर काम चल रहा है। सभी प्रोजेक्ट्स के पास 25 साल का पावर परचेज एग्रीमेंट है। इस डील से अडानी ग्रीन की क्षमता 24,300 मेगावॉट हो गई है। कंपनी ने 2025 तक 25,000 मेगावॉट क्षमता का लक्ष्य रखा है और अब वह इससे महज 700 मेगावॉट दूर रह गई है।

हवाई यात्रियों की संख्या में भारी गिरावट, मंत्रालय ने बंद किया दैनिक आंकड़े देना

बिजनेस डेस्क: कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के कारण हवाई यात्रियों की संख्या में भारी गिरावट आई है जिसके बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर दैनिक आंकड़े जारी करना बंद कर दिया है। नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल मार्च के मुकाबले अप्रैल में घरेलू मार्गों पर यात्रियों की संख्या 26.81 प्रतिशत घटकर 57.25 लाख रही गई। यह आंकड़ा अक्टूबर 2020 के बाद सबसे कम है। इस साल मार्च में 78.22 लाख लोगों ने हवाई यात्रा की थी। मई में इस संख्या में और तेजी से आ रही गिरावट के बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने यात्रियों और उड़ानों के दैनिक आंकड़े जारी करना बंद कर दिया है। अंतिम आंकड़े 14 मई के उपलब्ध हैं जब एक दिन में 825 उड़ानों में 54,181 यात्री सवार हुए थे। यह अप्रैल के दैनिक औसत की तुलना में 72 फीसदी कम है। आम तौर पर अप्रैल और मई में हवाई यात्रियों की संख्या बढ़ती है क्योंकि स्कूल-कॉलेजों में बच्चों की छुट्टियां होने की वजह से लोग परिवार के साथ घूमने जाते हैं लेकिन कोविड-19 के कारण इस साल परंपरा के विपरीत इसमें गिरावट आई है। पिछले साल 25 मार्च से दो महीने के लिए देश में नियमित यात्री उड़ानें पूरी तरह बंद रही थीं। उसके बाद 25 मई 2020 से घरेलू मार्गों पर नियमित उड़ानें दुबारा शुरू की गई थीं। फरवरी 2021 तक हर महीने यात्रियों की संख्या बढ़ती रही। फरवरी में यह आंकड़ा 78.27 लाख पर पहुंच गया। महामारी की दूसरी लहर की आहट से मार्च में मामूली गिरावट के साथ यह संख्या 78.22 लाख पर आ गई थी। अप्रैल में महामारी के विकराल रूप लेते ही इसमें 27 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

अजीम प्रेमजी की Wipro बनी चौथी सबसे मूल्यवान आईटी कंपनी

(एजेंसी) :

भारत के सबसे बड़े दानवीर अजीम प्रेमजी की विप्रो ने मार्केट कैप में कॉग्निजेंट को पीछे छोड़ दिया है। विप्रो दुनिया की चौथी सबसे मूल्यवान आईटी सर्विसेज कंपनी बन गई है। इस वक्त दुनिया की सबसे मूल्यवान आईटी सर्विसेज कंपनी **Accenture** है। इसके बाद **TCS** और इन्फोसिस का स्थान है। न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज पर विप्रो का एडीआर 2.4 फीसदी बढ़कर 7.4 डॉलर प्रति शेयर हो गया। इसकी वजह से कंपनी का मार्केट कैप बढ़कर 38.1 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, नास्डैक पर सुबह के ट्रेड में कॉग्निजेंट का **ADR** 1.2फीसदी बढ़कर 71.5 डॉलर हो गया और कंपनी का मार्केट कैप 37.7 अरब डॉलर रहा। हालांकि, वित्त वर्ष 2019-20 में कॉग्निजेंट का रेवेन्यु 16.5 अरब डॉलर रहा था, जो कि विप्रो के रेवेन्यु के दोगुने से भी ज्यादा था। विप्रो का रेवेन्यु 8.1 अरब डॉलर रहा था।

नए CEO के आने के बाद से बेहतर हुआ प्रदर्शन

विप्रो में लगभग एक साल पहले नए सीईओ **Thierry Delaporte** ने जॉइन किया है। उनके संचालन में विप्रो के प्रदर्शन में सुधार हो रहा है। **Thierry Delaporte** ने बेहतर फोकस के लिए कंपनी की सर्विस लाइन्स को रिडिफाइन किया है और सीनियर मैनेजमेंट को कुछ हद तक ट्रिम किया है। **Delaporte** के आने के बाद से विप्रो के शेयरों में 127 फीसदी का उछाल आया है।

कॉग्निजेंट की रफ्तार पड़ रही धीमी

सालों तक ग्रोथ दर्ज करने के बाद अब कॉग्निजेंट की रफ्तार धीमी पड़ रही है। यह स्लोडाउन पुराने सीईओ फ्रांसिस्को डिसूजा का कार्यकाल खत्म होने के बाद से शुरू हुआ और नए सीईओ ब्रायन हंफ्राइज के कार्यकाल में भी कंपनी का प्रदर्शन बेहतर नहीं हुआ है। कॉग्निजेंट पिछले दो सालों में अधिग्रहणों पर लगभग 1.5 अरब डॉलर खर्च कर चुकी है। पिछले दो सालों में कंपनी के शेयर केवल लगभग 16 फीसदी चढ़े हैं।

टाटा मोटर्स को हुआ 5703 करोड़ का लाभ, जो चार्ज लगने के बाद 7585 करोड़ घाटे में बदला

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता टाटा मोटर्स ने बताया कि बेहतर बिक्री के सहारे बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध घाटा कम होकर 7,585 करोड़ रुपए रह गया है। वित्त वर्ष 2019-20 की जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान उसका एकीकृत शुद्ध घाटा 9,864 करोड़ रुपए था। टाटा मोटर्स ने शेयर बाजार को बताया कि समीक्षाधीन अवधि में उसकी कुल आय 89,319 करोड़ रही है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 63,057 करोड़ रुपए थी। कंपनी की ब्रिटिश इकाई जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) को 1.5 अरब पौंड (14,994 करोड़ रुपए) के असाधारण प्रावधानों के कारण जनवरी-मार्च 2021 की तिमाही में 95.2 करोड़ पौंड का कर पूर्व घाटा हुआ। इस अधारण प्रावधान में 95.2 करोड़ पौंड का नुकसान पिछले निवेश पर बट्टा लगने से और 53.4 करोड़ पौंड का प्रावधान पुनर्गठन के खर्च के रूप में है जिसका भुगतान चालू वित्त वर्ष में किया जाना है। टाटा मोटर्स के अनुसार इस असाधारण प्रावधान से पहले कंपनी को 5,703 करोड़ रुपये का फायदा हुआ था, जो इस प्रावधान के बाद घाटे में बदल गया। टाटा मोटर्स ने नई वैश्विक रणनीति अपनायी है जिसे 'रिइमैजिन' यानी नई कल्पना कहा जा रहा है। आधुनिक लक्जरी कारों के प्रति नयी सोच के साथ चल कर कंपनी 2025/26 तक अपने परिचालन लाभ की वृद्धि दर दो गुना करना चाहती है। हालांकि चीन के बाजार और अपने नए डिफेंडर मॉडल की लोकप्रियता की वजह से जनवरी-मार्च 2021 तिमाही में जेएलआर का राजस्व 20.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6.5 अरब पौंड रहा। इस तिमाही में उसने 1,23,483 वाहनों की खुदरा बिक्री की जो सालाना स्तर पर 12.4 प्रतिशत की वृद्धि थी। वित्तीय वर्ष 2020-21 में जेएलआर का राजस्व 19.7 अरब पौंड था, जबकि उसने 4,39,588 वाहनों की खुदरा बिक्री की जो 13.6 प्रतिशत कम थी। एकल आधार पर आलोच्य तिमाही में टाटा मोटर्स को 1,645.69 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ। पिछले साल इस अवधि में उसे 4,871.05 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था।

सिंगापुर में कोविड-19 के नए स्वरूप पर सरकार की नजर : पुरी

नई दिल्ली: विमानन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि सिंगापुर की स्थिति पर केंद्र सरकार की नजर है और सभी एहतियात बरती जा रही हैं। इससे पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार से अपील की थी कि वहां कोरोना वायरस का ''काफी खतरनाक प्रकार सामने आने के बाद वहां की सभी उड़ानों को रद्द किया जाए। पुरी ने ट्विटर पर कहा, ''केजरीवाल जी, सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें मार्च 2020 से ही बंद हैं। सिंगापुर के साथ हमारा एयर बब्बल भी नहीं है। उन्होंने कहा कि वंदे भारत मिशन के तहत दोनों देशों के बीच कुछ उड़ानें जारी हैं ताकि वहां फंसे भारतीयों को वापस लाया जा सके। पुरी ने कहा, ''हम स्थिति पर अब भी नजर बनाए हुए हैं। सभी एहतियात बरते जा रहे हैं। कोरोना वायरस महामारी के कारण भारत ने 23 मार्च 2020 से सभी अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों पर रोक लगाई हुई है। बहरहाल, मई 2020 से वंदे भारत मिशन के तहत विशेष अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों का संचालन हो रहा है। इससे पहले केजरीवाल ने आज केंद्र से अपील की कि सिंगापुर से सभी हवाई सेवाओं को रद्द किया जाए। उन्होंने कहा कि वहां कोरोना वायरस का नया प्रकार मिला है जिसे बच्चों के लिए ''काफी खतरनाक'' बताया जा रहा है।

कोरोबार में कोरोना बना बाधा: मई में ई-वे बिल एक साल के निचले स्तर पर

(एजेंसी):

मई महीने में बहुत कम ई-वे बिल निकाला गया और रोजाना का औसत ई-वे बिल एक साल के निचले स्तर पर पहुंच गया है। इससे कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान आर्थिक गतिविधियों में तेज गिरावट का पता चलता है। वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) के आंकड़ों के मुताबिक 16 मई तक पोर्टल से 1.94 करोड़ ई-वे बिल निकाला गया। यह औसतन 12.1 लाख ई-वे बिल प्रतिदिन है। जबकि अप्रैल में 19.5 लाख ई-वे बिल और मार्च में 22.9 लाख ई-वे बिल प्रतिदिन निकले थे। यह मई 2020 के बाद का सबसे निचला स्तर है, जब रोजाना का ई-वे बिल घटकर 8.7 लाख प्रतिदिन रह गया था। इससे पता चलता है कि मई और जून महीने में जीएसटी संग्रह कम हो सकता है, जो अप्रैल और मार्च में रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था। अप्रैल में ई-वे बिल सृजन घटकर 5.87 करोड़ रह गया था, जो मार्च में 7.12 करोड़ था। यह अप्रैल में रिकॉर्ड जीएसटी संग्रह में नजर आया, जब 1.41 लाख करोड़ रुपए जीएसटी संग्रह हुआ। अप्रैल महीने में जीएसटी संग्रह मार्च में लेनदेन या आपूर्ति के मुताबिक था। फरवरी में औसतन 22.8 लाख ई-वे बिल का रोजाना सृजन हुआ। मई के ई-वे बिल का असर जून के जीएसटी आंकड़ों पर नजर आएगा। ई-वे बिल एक दस्तावेज है, जिसे जीएसटी करदाताओं को एक राज्य से दूसरे राज्य में वस्तुओं की आवाजाही पर निकालना पड़ता है, अगर माल 50,000 रुपए से ज्यादा का हो। यह अर्थव्यवस्था में मांग व आपूर्ति का शुरुआती संकेतक है। दिल्ली, मुंबई सहित प्रमुख शहरों और हरियाणा, उत्तर प्रदेश व कर्नाटक के साथ अन्य राज्यों में लॉकडाउन लगा हुआ है, जिससे वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। ज्यादातर शहरों में ई-कॉमर्स कंपनियों के गैर जरूरी सामान की आपूर्ति पर प्रतिबंध लगा हुआ है।

डेलॉयट इंडिया में सीनियर डायरेक्टर एमएस मणि ने कहा, आतिथ्य, मनोरंजन और उड्डयन जैसे कुछ सेवा क्षेत्रों में कारोबार में बहुत गिरावट आई है। ऐसे में ई-वे बिल सृजन में किसी भी कमी से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में उल्लेखनीय गिरावट हो सकती है। कई एजेंसियों ने कोविड-19 की दूसरी लहर के बाद भारत के जीडीपी की वृद्धि के अनुमान में कटौती कर दी है।

सुरक्षा समूह ने जेपी इंफ्राटेक के लिए बोली जमा करने की समयसीमा बढ़ाने पर आपत्ति जताई

नई दिल्ली (एजेंसी):

कर्ज बोझ तले दबी जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड (जेआईएल) के अधिग्रहण की दौड़ में शामिल मुंबई की रियल्टी कंपनी सुरक्षा समूह ने वित्तीय कर्जदाताओं को एक चिट्ठी लिखकर बोली जमा करने की समयसीमा बढ़ाने पर आपत्ति जताई है। सुरक्षा समूह और सरकारी कंपनी एनबीसीसी दिवालिया प्रक्रिया से गुजर रही जेआईएल का अधिग्रहण करने और करीब 20,000 लंबित फ्लैट का निर्माण पूरा करने की दौड़ में हैं। जेआईएल के अंतरिम समाधान पेशेवर (आईआरपी) अनुज जैन और उधारदाताओं की समिति (सीओसी) के सदस्यों को लिखी चिट्ठी में सुरक्षा समूह ने कहा कि विस्तार दिया जाना जेपी समूह की इस कंपनी के लंबित दिवाला मामले को लेकर उच्चतम न्यायालय के इस साल मार्च में दिए गए आदेश की भावना के खिलाफ है। गत 15 मई को हुई सीओसी की आखिरी बैठक में वित्तीय उधारदाताओं ने एनबीसीसी और सुरक्षा समूह की नवीनतम बोलियों को लेकर चर्चा की। वित्तीय उधारदाताओं में बैंक और घर खरीददारों के प्रतिनिधि शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार आईआरपी ने दोनों पक्षों से सोमवार, 17 मई तक बोलियां जमा करने को कहा था और साथ ही इस बात का उल्लेख किया था कि कोई विस्तार नहीं दिया जाएगा लेकिन आईआरपी ने समयसीमा में एक और दिन का विस्तार कर उसे 18 मई कर दिया। सुरक्षा समूह ने अपने पत्र में कहा कि यह विस्तार उच्चतम न्यायालय के इस साल 24 मार्च को दिए गए निर्देश की भावना के खिलाफ है। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय ने अपने आदेश में केवल एनबीसीसी और सुरक्षा समूह से बोलियां लेने का निर्देश दिया था। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा था कि दिवाला प्रक्रिया को 45 दिन में पूरा किया जाए जो कि 8 मई को समाप्त हो गए। इस दौरान आईआरपी ने नए खरीदार की खोज के लिए समयसीमा बढ़ाने के लिए आवेदन किया। सुरक्षा समूह ने पत्र में कहा कि उसने बोली प्रक्रिया के मौजूदा चौथे दौर में कभी भी समय बढ़ाने की मांग नहीं की है और हर समय समयसीमा का पालन किया है। सूत्रों का कहना है कि सुरक्षा ने विस्तार दिए जाने के पीछे के तर्क पर सवाल उठाया और कहा कि 18 मई के बाद अब कोई विस्तार नहीं दिया जाना चाहिए।

रिजर्व बैंक ने प्रियदर्शनी महिला नगरी सहकारी बैंक पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया

मुंबई (एजेंसी).

रिजर्व बैंक ने बीड़ (महाराष्ट) के प्रियदर्शनी महिला नगरी सहकारी बैंक पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना निरीक्षण संबंधी कार्रवाई व्यवस्था के तहत निर्देशों का उल्लंघन करने पर लगाया गया है।केन्द्रीय बैंक ने एक विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी है। इसमें कहा गया है कि बैंक की 31 मार्च 2019 की वित्तीय स्थिति पर आधारित निरीक्षण रिपोर्ट में बैंक को आरबीआई द्वारा पर्यवेक्षण कार्रवाई व्यवस्था (एसएएफ) के तहत दिये गये विशिष्ट निर्देशों का उल्लंघन दिखाई देता है। इसके बाद बैंक को निर्देशों का अनुपालन नहीं करने पर कारण बताओ नोटिस दिया गया था। आरबीआई ने कहा कि बैंक के जवाब और व्यक्तिगत तौर पर दिये गये मौखिक जवाब पर विचार करने के बाद रिजर्व बैंक इस नतीजे पर पहुंचा कि उसके निर्देशों का पालन नहीं करने को लेकर लगाये गये आरोप सही साबित होते हैं और मौद्रिक जुर्माना लगाया जाना चाहिये।

मुश्किल में सहारा बना EPFO: 3.5 करोड़ कर्मचारियों ने PF से निकाले 1.25 लाख करोड़

(एजेंसी):

कोरोना की दूसरी लहर का असर अर्थव्यवस्था के साथ-साथ लोगों की कमाई पर भी पड़ा है। जिसकी वजह बड़ी संख्या में लोगों ने पी.एफ. अकाऊंट से निकासी की है। होली के बाद कोरोना के मामलों में आई तेजी के कारण देश के अलग-अलग हिस्सों में लॉकडाउन लगाना पड़ा। कोरोना के कहर के कारण कुछ लोगों की नौकरियां गईं तो वहीं कुछ को कम सैलरी में काम करना पड़ रहा है। कोरोना की वजह से 1 अप्रैल 2020 से अब तक 3.5 करोड़ लोगों ने पी.एफ. अकाऊंट या रिटायरमैंट सेविंग से पैसे की निकासी की है। एक रिपोर्ट के अनुसार 3.5 करोड़ लोगों ने एक अप्रैल के बाद 1.25 लाख करोड़ रुपए निकाले हैं जो 2019-20 वित्तीय वर्ष की तुलना में अधिक है। तब ई.पी.एफ.ओ. ने 81,200 करोड़ रुपए का सैटलमैंट किया था। रिपोर्ट के अनुसार 1 अप्रैल 2020 से 12 मई 2021 तक 3.5 करोड़ श्रमिकों में 72 लाख लोगों ने 18,500 करोड़ रुपए का नॉन रिफंडेबल कोविड-19 फंड का लाभ उठाया है। देश में इस समय 6 करोड़ ई.पी.एफ.ओ. सब्सक्राइबर हैं।

साल-दर-साल PF बैलेंस की निकासी में 10% की तेजी

मार्च 2020 में केंद्र सरकार ने ई.पी.एफ.ओ. सब्सक्राइबर को 75 पी.एफ. बैलेंस या 3 महीने की सैलरी (जो कम हो) को निकालने की अनुमति दी थी। रिपोर्ट के अनुसार साल-दर-साल पी.एफ. बैलेंस की निकासी में 10 प्रतिशत की तेजी देखी जा रही है। इसकी बड़ी वजह रिटायरमैंट, नौकरी में बदलाव और अब कोरोना महामारी भी इसमें जुड़ गया है। प्रोफैसर के.आर. श्याम सुन्दर ने बताया कि ये आंकड़े काफी चिंताजनक हैं।

अब शेयरों की तरह स्पाट गोल्ड में भी कर सकेंगे कारोबार, SEBI ने बनाया ये प्लान

(एजेंसी):

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने स्पाट गोल्ड एक्सचेंज की स्थापना के लिए एक विस्तृत रूपरेखा का प्रस्ताव पेश किया, जिसमें सोने का कारोबार इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट **(EGR)** के रूप में किया जाएगा और जिससे घरेलू बाजार में हाजिर मूल्य खोज को अधिक पारदर्शी बनाने में मदद मिलेगी। ईजीआर के तहत सोने को विभिन्न प्रस्तावित मूल्यवर्ग- एक किलोग्राम, 100 ग्राम, 50 ग्राम का होगा और कुछ शर्तों के साथ इन्हें पांच और 10 ग्राम में भी रखा जा सकेगा। गोल्ड एक्सचेंज पर परामर्श पत्र जारी करने के अलावा, नियामक ने वॉल्ट प्रबंधकों के लिए मसौदा मानदंडों को भी सामने रखा है और उन्हें सेबी मध्यस्थों के रूप में पंजीकृत किया जाएगा। सेबी के अनुसार, प्रस्तावित गोल्ड एक्सचेंज, जिसमें व्यापार का पूरा पारिस्थिकी तंत्र (इकोसिस्टम) और सोने की भौतिक डिलीवरी शामिल है, भारत में एक जीवंत स्वर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह वैश्विक सोने की खपत में भारत के बड़े उपभोक्ता होने के अनुरूप होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वर्ष 2021-22 का बजट पेश करते हुए कहा था कि सेबी गोल्ड एक्सचेंज का नियामक होगा और इस जिंस बाजार पारिस्थितिकी प्रणाली को स्थापित करने के वास्ते भंडारण विकास और नियामकीय प्राधिकरण (डब्ल्यूडीआरए) को मजबूत किया जाएगा।

जानें आपको कैसे होगा फायदा

Gold e&change से भारत के गोल्ड बाजार को दम मिलेगा। अगर यह प्रस्ताव आता है तो फिजिकल गोल्ड में व्यापार करना आसान हो जाएगा। ज्वेलर्स एक्सचेंज का हिस्सा बन सकते हैं और गोल्ड का ट्रांसफर भी कर सकते हैं। इससे आम निवेशकों और ग्राहकों को भी फायदा होगा।

पीएमजीकेएवाई के तहत राज्यों के द्वारा करीब 32 लाख टन खाद्यान्न का उठाव हुआ

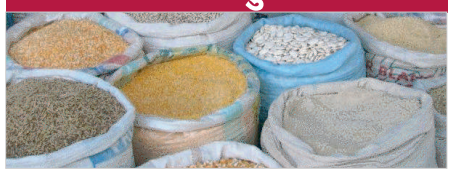

नई दिल्ली (एजेंसी):

विभिन्न राज्यों ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत वितरण करने के लिए 31.8 लाख टन खाद्यान्न उठाया है। केंद्र ने कोविड-19 के कारण हुए आर्थिक व्यवधानों के कारण गरीबों को हुई कठिनाई को दूर करने के लिए इस योजना की शुरुआत की थी। इस योजना के तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत आने वाले लगभग 79.39 करोड़ लाभार्थियों को प्रति व्यक्ति प्रति माह पांच किलो अतिरिक्त खाद्यान्न कोटा मुफ्त प्रदान किया जा रहा है। अतिरिक्त खाद्यान्न दो महीने (मई-जून 2021) की अवधि के लिए प्रदान किया जाएगा। खाद्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि 17 मई, 2021 तक, सभी 36 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों ने भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के डिपो से 31.80 लाख टन खाद्यान्न का उठाव किया है। लक्षद्वीप ने मई-जून 2021 के लिए पूर्ण आवंटित कोटा का उठाव किया है। पन्द्रह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों- आंध्र प्रदेश, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, अरुणाचल प्रदेश, गोवा, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, केरल, लद्दाख, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पुडुचेरी, तमिलनाडु, तेलंगाना और त्रिपुरा- ने मई के लिए किए गए आवंटन का पूर्णतः उठाव कर लिया है। सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को समयबद्ध तरीके से मुफ्त खाद्यान्न उठाने और वितरित करने के लिए कहा गया है। इस योजना के तहत कुल 79.39 लाख टन खाद्यान्न जारी किया जाएगा।

बयान में कहा गया है, ''भारत सरकार राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को केंद्रीय सहायता के हिस्से के रूप में खाद्यान्न की लागत, अंतरराय परिवहन आदि के लिए 26,000 करोड़ रुपए से अधिक का पूरा खर्च वहन करेगी।

पिछले साल, केंद्र ने अप्रैल-नवंबर की अवधि के दौरान पीएमजीकेएवाई के तहत 305 लाख टन मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया था।

शक्ति पंप ने हासिल किया अब तक का सर्वाधिक लाभ

मुंबई । शक्ति पंप्स ने गत वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही में भी शानदार परिणाम का सिलसिला जारी रखा है। वर्ष 2020 21 की चौथी तिमाही जनवरी–मार्च में कंपनी का कुल राजस्व 321.11 करोड़ रुपए पहुंच गया, जो गत वर्ष की समान अवधि में 93.78 करोड़ रुपए था। इसी तरह चौथी तिमाही में श्वक्चढ्ढञ्जष्ठ सर्वकालिक उच्चस्तर 51.35 करोड़ रुपए पहुंच गया, जो 2020 की समान तिमाही में (1.41) करोड रुपए था। इसी प्रकार कंपनी की कुल आय भी चौथी तिमाही में अब तक की किसी भी तिमाही के सर्वोच्च स्तर पर रही। चौथी तिमाही में कंपनी का कुल लाभ 30.50 करोड़ रुपए रहा, जो 2020 की समान अवधि में 6.15 करोड़ का घाटा दिखा रहा था।

वित्त वर्ष 2020–21 में कंपनी का कुल राजस्व 933.43 करोड़ रुपए पहुंच गया, जो इसके पूर्व 2019–20 में 386.91 करोड रुपए था। इसी तरह EBITDA वर्ष 2020–21 में 145.8 2 करोड़ रहा, जो पूर्व के वित्त वर्ष में 16.33 करोड रुपए था। इस अवधि में कंपनी की कुल लाभ अब तक के सर्वोच्च स्तर 75.59 करोड़ रुपए हो गया, जो वर्ष 2019–20 में 14.08 करोड रुपए का घाटा था।

परिणामों पर टिप्पणी करते हुए शक्ति पम्पस इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर श्री दिनेश पाटीदार ने कहा, – च्च्घरेलू, निर्यात और सौर पंप बाजार में मजबूत वृद्धि के कारण अच्छे वित्तीय प्रदर्शन की घोषणा करते हुए हमें खुशी हो रही है। प्रधानमंत्री कुसुम योजना ने वित्तीय वर्ष के दौरान हमारे विकास में योगदान दिया है। इस योजना में काफी संभावनाएं हैं क्योंकि डीजल पंप किसानों के लिए अव्यावहारिक हैं और इलेक्ट्रिक पम्पस की अपनी सीमाएं हैं। हमें इस योजना के तहत और अधिक पंपों की आपूर्ति की उम्मीद है।

उन्होंने आगे कहा – "प्रधानमंत्री कुसुम योजना अच्छा प्रदर्शन कर रही है. कार्यान्वयन के पहले वर्ष में, 2020–21 के वित्तीय वर्ष के लिए निर्धारित 1.80 लाख के लक्ष्य के मुकाबले देश भर में 50,000 सौर कृषि पंप स्थापित किए गए थे। हमने योजना के तहत 15,000 सौर पंप स्थापित किए थे। हम चालू वित्त वर्ष के दौरान और अधिक मांग की उम्मीद कर रहे हैं और किसानों में जागरूकता बढ़ने के साथ आगे बढ़ रहे हैं। दूसरे वर्ष के लिए सरकार का लक्ष्य 3.20 लाख कृषि सौर पंप है। यहीं से हम चालू वित्त वर्ष के दौरान भी अपनी वृद्धि देखते हैं।" उन्होंने आगे कहा कि कंपनी ने 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले शेयर पर 8 रुपये प्रति शेयर के लाभांश की सिफारिश की है जो कि 80% होता है।

टोक्यो ओलंपिक में फ्रांस के लिए खेलना मेरा सपना : मबापे

पेरिस। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के फुटबॉल खिलाड़ी किलियन मबापे का कहना है कि फ्रांस के लिए इस साल टोक्यो ओलंपिक में खेलना उनका सपना है। मबापे यूरो 2020 कप की तैयारियां कर रहे हैं, जिसे अगले महीने होना है। डीपीए की रिपोर्ट के अनुसार, मबापे टोक्यो ओलंपिक में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं। मबापे ने टीएफआई ने कहा, हमारे लिए देश का प्रतिनिधित्व करना सबसे जरूरी है। सभी को पता है कि ओलंपिक में शामिल होना मेरा सपना है। मुझे उम्मीद है कि मैं इस सपने को पूरा कर सकूंगा। फ्रांस ओलंपिक में जापान, मेक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के साथ ग्रुप-ए में है। ओलंपिक में फ्रांस का पहला मुकाबला मेक्सिको के साथ 22 जुलाई को होगा। मबापे ने कहा, हमारा उद्देश्य एक ही है, यूरो चैंपियनशिप को जीतने की कोशिश करना और फ्रांस के लोगों को खुशी देना। हमारी टीम ऐसे है जो विपक्षी टीमों को कड़ी चुनौती देने में सक्षम है। हम हमेशा जीतना चाहते हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ इंग्लैंड टेस्ट टीम का ऐलान

लंदन (एजेंसी)।

इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम चुन ली है। टीम में जहां 2 अनकैप्ड खिलाड़ियों ग्लोसेस्टरशायर के विकेटकीपर बल्लेबाज जेम्स ब्रेसी और ससेक्स के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन को जगह दी गई है तो वहीं जॉनी बेयरस्टो, मोईन अली, जॉस बटलर, सैम करेन और क्रिस वोक्स जैसे मल्टी फार्मेट खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। आईपीएल 2021 के स्थगित होने के बाद घर वापस आए ये सभी खिलाड़ी क्वारंटीन पूरा करने के बाद कुछ दिनों तक आराम करेंगे। उपमहाद्वीप के शीतकालीन दौरे पर रिजर्व खिलाड़ी के रूप में इंग्लैंड टीम के साथ रहे ब्रेसी और रॉबिन्सन ने काउंटी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन की बदौलत टीम में जगह हासिल की है। लिस्ट ए करियर में जहां ब्रेसी ने 53 की औसत के साथ 478 रन बनाए हैं तो वहीं रॉबिन्सन 14 की औसत के साथ 29 विकेट लिए हैं। ब्रेसी बेशक एक विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में टीम से जुड़े हैं, लेकिन लॉर्ड्स में पहले टेस्ट मैच में बेन फोक्स द्वारा ही कीपिंग किए जाने की संभावना है। इस बीच बेन स्टोक्स और जोफा आर्चर के अभी भी चोट से उबर न पाने के कारण समरसेट के क्रेग ओवरटन के लिए टीम में जगह बनी है। उन्होंने अपने करियर में अब तक चार टेस्ट खेले हैं जो उन्होंने 2019 एशेज में खेले थे। इंग्लैंड टीम के प्रमुख कोच क्रिस सिल्वरवुड ने एक बयान में कहा, 'कई खिलाड़ी चोट के कारण उपलब्ध नहीं हैं और कुछ को न्यूजीलैंड श्रृंखला के लिए आराम दिया जा रहा है। ऐसे में हमारे पास उन खिलाड़ियों को टीम में जगह देने का एक अवसर है जो पिछले 12 महीनों में इंग्लैंड की टीम से बाहर हैं। पिछले महीने आईपीएल में अपनी बाईं तर्जनी में फ्रैक्चर के बाद बेन स्टोक्स अच्छा सुधार कर रहे हैं। वहीं जोफा आर्चर अपनी दाहिनी कोहनी की चोट की गंभीरता को समझने के लिए इस हफ्ते एक सलाहकार से मिलेंगे।

न्यूजीलैंड के खिलाफ इंग्लैंड की टेस्ट टीम :

जो रुट (कप्तान), जेम्स एंडरसन, जेम्स ब्रेसी, स्टुअर्ट ब्रॉड, रोरी बर्न्स, जैक क्रॉली, बेन फोक्स, डैन लॉरेंस, जैक लीच, क्रेग ओवरटन, ओली पोप, ओली रॉबिन्सन, डोम सिबली, ओली स्टोन, मार्क वुड।

फीडे महिला विश्व कप - हम्पी और हरिका को मिला सीधा प्रवेश

मॉस्को,रूस (निकलेश जैन) (एजेंसी)

फीडे महिला विश्व कप शतरंज चैंपियनशिप आगामी जुलाई में प्रस्तावित है । यूरोप में घटते मामलों के चलते इसके आयोजन को अभी तक तय माना जा रहा है । विश्व शतरंज संघ ने कल इसमें शामिल होने वाले खिलाड़ियों की पहली सूची जारी कर दी है और पहली सूची में भारत की शीर्ष खिलाड़ी और वर्तमान विश्व रैपिड चैम्पियन ग्रांड मास्टर कोनेरु हम्पी और विश्व नंबर 10 ग्रांड मास्टर हरिका द्रोणावल्ली को रेटिंग के आधार पर सीधा प्रवेश दिया गया है । जबकि 2018 की एशियन विजेता भारत की पद्मिनी राऊत और वर्तमान राष्ट्रीय विजेता भक्ति कुलकर्णी को एशियन और राष्ट्रीय ज़ोन के आधार पर प्रवेश दिया है । जबकि भारतीय शतरंज संघ को एक और खिलाड़ी 2 जून तक नामित करने करने का निर्देश दिया गया है । मौजूदा विश्व चैम्पियन चीन की जु वेंजून ,उक्रेन की मारिया मुजयचूक , रूस की लागनों काटेरयना और अलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक को पिछले विश्व कप के टॉप 4 में होने के कारण सीधा प्रवेश दिया गया है । बड़ी बात यह है की चीन की विश्व नंबर 1 और दो बार की विश्व चैम्पियन हाउ ईफ़ान तीन साल के अंतराल के बाद एक बार फिर विश्व कप से अंतर्राष्ट्रीय शतरंज में कदम रखने जा रही है । फीडे विश्व कप प्रतियोगिता नॉक आउट होगी और हर मैच में खिलाड़ी को बेस्ट ऑफ टू क्लासिकल मुक़ाबले खेलने का मौका मिलेगा ।

फीफा विश्व कप हर दो साल में आयोजित करने का प्रस्ताव

जेनेवा (एजेंसी) ।

फीफा विश्व कप का आयोजन चार साल के बजाय प्रत्येक दो वर्ष में आयोजित करने का प्रस्ताव फिर से फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था के एजेंडा में शामिल हो गया है। सऊदी अरब फुटबॉल महासंघ ने औपचारिक तौर पर फीफा से पुरुष और महिला विश्व कप का आयोजन प्रत्येक दो साल में आयोजित करने पर विचार करने को कहा है। फीफा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। फीफा ने कहा कि दोनों टूर्नामेंट का प्रत्येक दो साल में आयोजन संबंधी प्रस्ताव फीफा के 211 सदस्यों के महासंघ की वार्षिक बैठक में रखा जाएगा। फीफा की शुक्रवार को वर्चुअल बैठक होगी। विश्व कप का आयोजन प्रत्येक दो साल में करने का विचार 20 साल पहले फीफा के तत्कालीन अध्यक्ष सैप ब्लाटर ने रखा था।

बीसीसीआई की सालाना बैठक 29 मई को होगी, टी20 विश्व कप पर लिया जा सकता है फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 29 मई को विशेष आम बैठक (एसजीएम) बुलायी है जिसमें अक्टूबर - नवंबर में होने वाले टी20 विश्व कप सहित आगामी सत्र में भारत में होने वाले क्रिकेट पर चर्चा की जाएगी। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने बैठक के लिए जो नोटिस भेजा है उसमें कहा गया है कि भारत में महामारी की स्थिति को देखते हुए आगामी क्रिकेट सत्र पर चर्चा की जाएगी। कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के कारण भारत में टी20 विश्व कप के आयोजन को लेकर आशंकाएं व्यक्त की जा रही है। बीसीसीआई ने यह एसजीएम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की एक जून को होने वाली बैठक से पूर्व बुलाई है। आईसीसी बैठक में भारत में कोविड-19 की स्थिति को देखकर टी20 विश्व कप के आयोजन को लेकर निर्णय कर सकती है। भारत में अभी महामारी की स्थिति गंभीर है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को जैव सुरक्षित वातावरण में कुछ मामले पाये जाने के कारण स्थगित किए जाने के बाद यूएई आईसीसी प्रतियोगिता के आयोजन की दौड़ में सबसे आगे है। पिछले महीने बीसीसीआई की शीर्ष परिषद की बैठक में टी20 विश्व कप के आयोजन के लिए 9 स्थलों अहमदाबाद, बेंगलुरू, चेन्नई, दिल्ली, धर्मशाला, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ और मुंबई का चयन किया गया था। एसजीएम में घरेलू क्रिकेट पर भी चर्चा होगी।

संक्षिप्त समाचार

ओलंपिक की तैयारियों के लिए प्रो लीग के मैचों का विश्लेषण कर रहे हैं : सुमित

बेंगलुरु। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मिडफील्डर सुमित ने कहा है कि टीम टोक्यो ओलंपिक की तैयारियों के लिए यूरोप में हो रहे एफआईएच प्रो लीग के मुकाबलों को करीब से देख रही है। भारत को इस महीने प्रो लीग के मुकाबलों के लिए यूरोप जाना था, लेकिन देश में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए यात्रा प्रतिबंध के चलते इन मुकाबलों को स्थगित कर दिया गया था। सुमित ने कहा, हम प्रो लीग मुकाबलों में खेल रही टीमों को करीब से देख रहे हैं। हम उनके खेलने के तरीके का विश्लेषण कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम अपने अभ्यास मैचों में वैसा ही मैच परिदृश्य बनाते हैं। यह बहुत काम आता है और हम ज्यादातर ऐसा ही करते हैं। 24 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि गत ओलंपिक चैंपियन अर्जेंटीना के खिलाफ जीतना इस बात के संकेत है कि टीम की ओलंपिक की तैयारी सही दिशा में है। सुमित ने कहा, हाल ही में हमारे यूरोप और अर्जेंटीना के नतीजे दिखाते हैं कि ओलंपिक के लिए हमारी तैयारियां सही दिशा में है। हालांकि हमें और आक्रमक हॉकी खेलने की जरूरत है और पहले तीन से पांच मिनट में मौकों को भुनाना होगा। उन्होंने कहा, यूरोपियन और अर्जेंटीना दौरे की तुलना में मुझे लगता है कि हमारे खेल में लगातार सुधार हो रहा है और हम इस लय को बरकरार रखने के लिए मेहनत कर रहे हैं।

भारतीय निशानेबाजों ने क्रोएशिया में अभ्यास शुरू किया

नई दिल्ली। ओलंपिक में शामिल होने वाले भारतीय निशानेबाजों ने क्वारंटीन पीरियड पूरा करने के बाद बुधवार से जागरेब में अभ्यास शुरू किया। राष्ट्रीय टीम के कोच ने आईएएनएस से कहा, हम पिछले सप्ताह क्रोएशिया पहुंच गए थे, लेकिन कोरोना प्रोटोकॉल को देखते हुए हमें क्वारंटीन में रहना था। लेकिन बुधवार को सभी निशानेबाजों ने अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया। सभी निशानेबाजों और कोचिंग स्टाफ के सदस्यों का मंगलवार को कोरोना टेस्ट किया गया। कोच ने कहा, सभी की रिपोर्ट नेगेटिव आई जिसके बाद हमें ट्रेनिंग के लिए बाहर निकलने की इजाजत दी गई। कोच के अनुसार, क्रोएशिया निशानेबाजी महासंघ (सीएसएफ) के स्थानीय शूटिंग रेंज में अच्छी सुविधाएं हैं। उन्होंने कहा कि होटल से रेंज की दूसरी महज छह किलोमीटर से जिससे आने-जाने में ज्यादा समय नहीं लगता है। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने निशानेबाजों को यूरोप भेजने के लिए 11 मई को चार्टर प्लेन की व्यवस्था की थी। राष्ट्रीय टीम को ओसिजेक में 21 मई से होने वाले यूरोपियन शूटिंग चैंपियनशिप में तथा जून में जागरेब विश्व कप में हिस्सा लेना है। दीपक कुमार, दिव्यांश सिंह पंवार, संजीव राजपूत, एश्वर्य प्रताप तोमर, अपूर्वी चंदेला, अंजुम मुद्गिल, एलावेनिल वलारिवान और तेजस्विनी सावंत राइफल शूटिंग इवेंट में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई हुए हैं। अभिषेक वर्मा, सौरभ चौधरी, मनु भाकर, राही सरनाबोत और यशस्विनी सिंह पिस्टल शूटिंग के लिए क्वालीफाई हुए हैं।

आईपीएल 2021 को लेकर सामने आई बड़ी जानकारी, इंग्लैंड में करवाए जा सकते हैं बचे हुए मैच

(एजेंसी)।

कोरोना वायरस की दूसरी लहर के कारण बॉयो बबल में खिलाड़ियों के संक्रमित पाए जाने के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को आईपीएल के 14वें सत्र (2021) को 4 मई को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करना पड़ा। इसकी बहाली के लिए बीसीसीआई ने 29 मई को विशेष आम बैठक (एसजीएम) रखी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मीटिंग में आईपीएल 2021 के बचे हुए 31 मैच इंग्लैंड में करवाने का फैसला लिया जा सकता है। एक न्यूज रिपोर्ट में कहा गया है कि आईपीएल 2021 के शेष 31 मैचों की मेजबानी के लिए इंग्लैंड शीर्ष स्थान के रूप में उभरा है। भारत 5 मैचों की टेस्ट श्रृंखला में इंग्लैंड से भिड़ेगा, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बीसीसीआई साथ ही इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) श्रृंखला की अवधि को भी बदल सकता है। रिपोर्ट में कहा गया कि बीसीसीआई और ईसीबी पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में बदलाव के लिए चर्चा कर रहे हैं। उन चर्चाओं का विवरण अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। लेकिन जिस भी तरीके से ईसीबी टेस्ट सीरीज में बदलाव के लिए राजी होगा, वे इंग्लैंड में आईपीएल चाहते हैं क्योंकि काउंटियां इससे कमाई कर सकती हैं। यूके में शेष आईपीएल मैचों की मेजबानी करना अधिक महंगा हो सकता है, ऐसे में बीसीसीआई ने यूएई और श्रीलंका को भी बैकअप विकल्प के रूप में रखा है। सूत्रों के मुताबिक केवल अगर लागत उस बिंदु तक बढ़ रही है जहां यह हितधारकों को प्रभावित करना शुरू कर देती है तो बीसीसीआई संयुक्त अरब अमीरात को आईपीएल के लिए दूसरा विकल्प मानेगा। उस मोर्चे पर श्रीलंका में आईपीएल की मेजबानी के विचार को भी ड्रॉप नहीं किया जाएगा।

एशेज से पहले इस देश के खिलाफ टेस्ट मैच खेलेगा आस्ट्रेलिया

मेलबर्न (एजेंसी)।

आस्ट्रेलिया दिसंबर में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली एशेज श्रृंखला से पूर्व पहली बार एक टेस्ट मैच के लिये अफगानिस्तान की मेजबानी करेगा। आस्ट्रेलिया की पुरुष टीम दक्षिण गोलार्द्ध की गर्मियों में अपने छह टेस्ट मैच के सत्र की शुरुआत 27 नवंबर से अफगानिस्तान के खिलाफ होबार्ट में होने वाले मैच से करेगी। आस्ट्रेलियाई टीम एशेज में अपने अभियान की शुरुआत आठ से 12 दिसंबर के बीच ब्रिस्बेन में होने वाले मैच से करेगी। इसके बाद तीन दिन का विश्राम और फिर एडिलेड में दिन-रात्रि टेस्ट मैच खेला जाएगा।एशेज श्रृंखला का अगला मैच मेलबर्न में बॉक्सिंग डे (26 दिसंबर) से शुरू होगा जबकि सिडनी में नये साल में चौथा मैच खेला जाएगा। पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच 14 से 18 जनवरी के बीच खेला जाएगा। आस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान टिम पेन ने कहा कि एशेज से पहले लंबे प्रारूप में कम मैच खेलना उनकी टीम के लिये चिंता का विषय नहीं है। उन्होंने संकेत दिये कि अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में आस्ट्रेलिया अपनी मजबूत टीम उतारेगा। पेन ने कहा कि हम इसके अभ्यस्त हैं। आपको इससे सामंजस्य बिठाना होगा। मुझे लगता है कि एशेज की दृष्टि से यह (अफगानिस्तान के खिलाफ मैच) महत्वपूर्ण होने जा रहा है।

बैनक्रॉफ्ट के लिए अभी आस्ट्रेलियाई टीम के दरवाजे खुले हैं : सीए

सिडनी। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निक हॉकले ने बुधवार को कहा कि बल्लेबाज बैन बैनक्रॉफ्ट मामले का चैप्टर अब बंद हो चुका है और वे आगे बढ़ गए हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि बैनक्रॉफ्ट अगर अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो भविष्य में उनके लिए टीम के दरवाजे खुले हुए हैं। बैनक्रॉफ्ट ने हाल ही में कहा था कि दक्षिण अफ्रीका में हुई टेस्ट सीरीज के दौरान हुए बॉल टेम्परिंग योजना के बारे में गेंदबाजों को पहले से ही जानकारी थी। 2018 में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर केप टाउन टेस्ट के दौरान बल्लेबाज बैनक्रॉफ्ट कैमरे में गेंद से छेड़खानी करते हुए पकड़े गए थे। इसमें तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर भी शामिल थे। बाद में क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने बैनक्रॉफ्ट पर नौ महीने का जबकि वॉर्नर और स्मिथ पर 12-12 महीने का प्रतिबंध लगा दिया था। हॉकले ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से कहा, जहां तक हमारा सवाल है, अब यह मामला खत्म हो गया है और हम आगे बढ़ चुके हैं। आस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान टिम पेन ने भी बुधवार को कहा, हम टेस्ट टीम नहीं चुनते। हम उन खिलाड़ियों को चुनते हैं, जो रन बनाते हैं।

प्रशंसकों की वापसी पर लीस्टर को हराकर चेल्सी तीसरे स्थान पर पहुंचा

लंदन (एजेंसी) ।

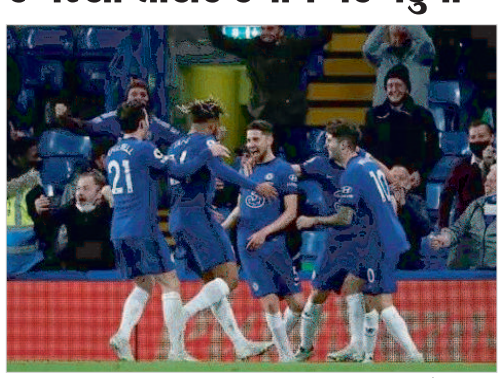

चेल्सी ने अपने प्रशंसकों की पिछले साल के बाद पहली बार स्टेडियम में वापसी का जश्न लीस्टर सिटी के खिलाफ 2-1 की जीत के साथ मनाया जिससे वह इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता की अंकतालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। पहला हाफ गोलरहित छूटने के बाद एंटोनियो रूडीगर ने 47वें मिनट में चेल्सी को बढ़त दिलायी जबकि जोर्गिन्हो ने 66वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर 2-0 कर दिया। लीस्टर की तरफ से केलेची इहियानाचो ने 76वें मिनट में गोल दागा जिससे हार का अंतर ही कम हो पाया। इस जीत से चेल्सी के 37 मैचों में 67 अंक हैं जबकि लीस्टर के इतने ही मैचों में 66 अंक हैं। मैनचेस्टर सिटी पहले ही खिताब अपने नाम तय कर चुका है जबकि मैनचेस्टर यूनाईटेड का दूसरे स्थान पर रहना तय है लेकिन चैंपियन्स लीग के अंतिम दो स्थानों के लिये मुकाबला कड़ा हो गया है। चेल्सी के अलावा लिवरपूल भी इस दौड़ में शामिल है जिसके 36 मैचों में 63 अंक हैं। एक अन्य मैच में ब्राइटन ने सिटी को 3-2 से हराया। सिटी के 37 मैचों में 83 अंक हैं। सिटी की तरफ से इल्कय गुंडोगन ने दूसरे मिनट में ही गोल दाग दिया था जबकि फिल फोडेन ने 48वें मिनट में स्कोर 2-0 कर दिया। ब्राइटन ने दूसरे हाफ में तीनों गोल किए। उसकी तरफ से लियांड्रो ट्रोसार्ड, एडम वेबस्टर और डैन बर्न ने गोल दागे। मैनचेस्टर यूनाईटेड और फुल्हम के बीच मैच 1-1 से बराबर रहा। फुल्हम पहले ही दूसरे डिवीजन में खिसक गया है।

शॉट पुट एथलीट तेजिंदरपाल को ओलंपिक क्वालिफिकेशन मार्क हासिल करने की उम्मीद

नई दिल्ली। एशियन गेम्स के चैंपियन शॉट पुट एथलीट तेजिंदरपाल सिंह को तूर अगले महीने बेंगलुरु में होने वाले घरेलू प्रतियोगिता में टोक्यो ओलंपिक का क्वालिफिकेशन मार्क हासिल करने की उम्मीद है। तेजिंदरपाल के कोच मोहिंदर सिंह ढिल्लों ने आईएएनएस से कहा, महामारी ने हमारे अंतरराष्ट्रीय योजना को प्रभावित किया। हमें पिछले महीने तुर्की जाना था लेकिन भारत में कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण तुर्की सरकार ने यहां से आने वाले लोगों के लिए 15 दिनों तक क्वारंटीन नियम लागू किया था जिसकी वजह से हम वहां नहीं जा सके। हमारा मुख्य ध्यान अगले महीने बेंगलुरु में ओलंपिक क्वालिफिकेशन मार्क 21.10 मीटर को हासिल करना होगा। मोहिंदर ने कहा कि तेजिंदरपाल के पिछले साल अक्टूबर में दाहिने हाथ में चोट लग गई थी जिसके कारण वह ट्रेनिंग में शामिल नहीं हो सके थे। कोच ने कहा, हमारे पास मार्च में घरेलू प्रतियोगिताओं की तैयारियों के लिए दो महीने थे। इसके बावजूद हमने पटियाला में फेडरेशन कप में 20 मीटर मार्क पार किया था। फेडरेशन कप में तेजिंदरपाल ने सीजन का बेस्ट 20.58 मीटर का प्रदर्शन किया था।

वर्ल्ड ऑफ द गिनीज बुक मे सूरत की बेटी इशिका अग्रवाल का नाम शामिल किया गया

सूरत। गुजरात के सूरत शहर पूना पटिया लैंड मार्क मार्केट के पीछे B,6 फ्लैट नंबर403 मोडल टाउन पार्क के संजीव अग्रवाल की बेटी इशिका अग्रवाल ने10 वर्ष की उम्र मे ऑन लाइन चित्र कला स्पर्धा मे लिया भाग गिनेस वर्ल्ड रिकॉर्ड्स मे नाम दर्ज कराकर अपने माँ बाप का नाम किया रोशन इशिका अग्रवाल के पिता संजीव अग्रवाल और उनकी माँ ने बताया कि इशिका अग्रवाल इसके पहले भी लगभग 50 से 60 पुरस्कार और मेडल पा चुकी है।इशिका अग्रवाल के पिता कपड़े का बेपार करते है।10 वर्ष की उम्र मे इशिका अग्रवाल अपनी मेहनत से कई रिकार्ड बनाए।इशिका अग्रवाल 10साल की उम्र मे सूरत(गुजरात) ने राडार्ट फाउंडेशन और आय, आर, एफ इंदौर(यस, पी,ईडिया)द्वारा लॉन्च की प्रति स्पर्धा मे हिस्सा लिया रिकार्ड शीर्षक मयंक ब्यास(प्रबंधित निर्देशक और संस्थापक और डॉ महिमा गुप्ता(अंतराष्ट्रीय राडार्ट फाउंडेशन यू. यस, ए, द्वारा बनाया गया है।कार्यक्रम 2 मई को आयोजित किया गया था। ऑनलाइन इवेंट जिसमे से गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स टीम शीर्षक को तोड़ने के दिशा निर्देश के अनुसार सटीक पाए गए।दुनिया के 112 देशो मे(भारत के अलावा) से आए कलाकारों ने भाग लिया इसमे रिकार्ड प्रयास के लिये इशिका अग्रवाल ने तेल रंग का सफलता पूर्वक प्रयोग किया था। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा अनुमोदित रिकार्ड शीर्षक की आधिकारिक सूची मे पुस्टि की जा सकती है।गिनीज वर्ल्ड मे अभिलेख का(सम्पर्क रिकार्ड)की आधिकारिक बेवसाइड गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड कॉम वर्ल्ड रिकार्ड 165458 most photo of people paenting अपलोड टू फेस बुक इन वन आवर इशिका अपनी चित्र कला की शिक्षा च2 से साई आर्ट पेंटिंग क्लास(सूरत से शिक्षा ग्रहण की थी।जो अभी भी जारी है।

तूफान से राज्य के हजारों गांव में अब भी बिजली गुल

गांधीनगर ।

कोरोना से जंग लड़ रहा गुज रात अब तूफान 'तौकते' की चपेट में भी आ गया है । अरब सागर में उठे इस तूफान ने सोमवार रात गुजरात के तट पर अपनी पूरी ताकत से टकराया था । हालांकि तूफान का असर राज्य में दो दिन पहले से ही दिखाई देने लगा था । जैसे-जैसे यह गुजरात के करीब आता गया इसकी ताकत बढ़ती गई । गुजरात से तूफान जा चुका है लेकिन अपने पीछे तबाही के मंजर की तस्वीरें छोड़ गया है । तेज लहरों और तूफानी हवाओं के साथ हुई भारी बारिश ने तबाही मचा दी है ।

पेड़ और बिजली के खंभे गिरने से राज्य में कई जगहों पर बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है । इसके अलावा कई लोगों के घरों की छत तेज हवा में उड़ गई है । एक अनुमान के मुताबिक तूफान से राज्य के अब तक ४,५९१ गांवों में बिजली गुल हो गई है । तूफान से ७२,५२३ बिजली के खंभों को भारी नुकसान हुआ है । इसके अलावा ३,७३१ फीडर और ४१,८२१ ट्रांसफार्मर बंद हो गए गए हैं । तेज हवा के कारण कई जगह बिजली के खंभे और ट्रांसफार्मर टूट गए हैं ।

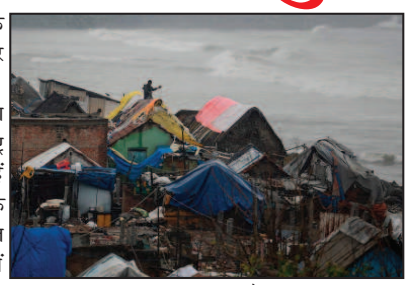

सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र सौराष्ट्र के तटीय जिले हैं । यही वजह है कि उत्तर गुजरात से यूज ीवीसीएल की टीमों को सौराष्ट्र भेजा गया है । गुजरात में तूफान की भयंकर तबाही के बाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि पूरा राज्य प्रशासन पिछले ३ दिनों से तैयारियों में लगा हुआ था । यही वजह है कि इतने भीषण तूफान में और जान-माल का नुकसान होने से बच गया है । तूफान की वजह से राज्य के ५,९५८ गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है ।

आंशिक लॉकडाउन को ३१ मई तक बढ़ाने की मांग

आंशिक लॉकडाउन सहित सख्त पाबंदिया लागू करने के बावजूद दैनिक मामलों में खास कमी नहीं दर्ज की जा रही

अहमदाबाद ।

गुजरात समेत पूरे देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर का कहर देखने को मिल रहा है । गुजरात में कोरोना के प्रसार को रोकने के लिए आंशिक लॉकडाउन सहित सख्त पाबंदिया लागू करने के बावजूद दैनिक मामलों में कुछ खास कमी नहीं दर्ज की जा रही । इस बीच इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने राज्य से लॉकडाउन को ३१ मई तक बढ़ाने की मांग की है । गौरतलब है कि राज्य ८ नगर निगम और ३६ शहरों में कोरोना की चैन को तोड़ने के लिए आंशिक लॉकडाउन सहित सख्त नियमों को लागू किया गया है । मौज ूदा लॉकडाउन २१ मई को खत्म होने वाला है । लेकिन उससे पहले ही लॉकडाउन को आगे बढ़ाने की मांग की जा रही है ताकि राज्य में पिछले कुछ दिनों से कम हो रहे कोरोना के मामले दोबारा न उभर सकें ।

इसके लिए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के गुजरात चैप्टर ने मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को पत्र लिखकर आंशिक लॉकडाउन को ३१ मई तक बढ़ाने की मांग की है । सीएम रूपाणी को लिखे पत्र में कहा गया है कि गुजरात में कोरोना की दूसरी लहर के बाद पिछले कुछ दिनों से कोरोना के पॉजिटिव मामलों में कमी आ रही है । यह राज्य सरकार द्वारा आंशिक लॉकडाउन सहित प्रतिबंधों को समय पर लागू करने से ही संभव हुआ है । अब अगर अगले कुछ दिनों में आंशिक लॉकडाउन को खोलने की अनुमति दी जाती है तो इसे एक बड़ी गलती माना जाएगा । यदि लॉकडाउन हटा लिया जाता है, तो फिर से कोरोना के सकारात्मक मामलों में वृद्धि हो सकती है । इसलिए आंशिक लॉकडाउन को ३१ मई तक बढ़ाने की मांग की गई है ।

1500 रुपए प्रति किलो मन बिकने वाले आम अब कोई 200 रुपए में लेने को तैयार नहीं

वलसाड ।

गुजरात में तौकते चक्रवात से कृषि क्षेत्र को भारी नुकसान हुआ है। खासकर आम, पपीपा, चीकू, नारियल और केला जैसी बागायती फसलों को व्यापक नुकसान पहुंचा है। आम की फसलें चौपट होने से सालभर मेहनत करनेवाले किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कभी 1500 रुपए प्रति मन बिकने वाला हाफुस आम आज कोई 200 रुपए प्रति मन खरीदने को कोई तैयार नहीं है। दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले में किसान आम, चीकू और सब्जी की खेती करते हैं। लेकिन तौकते चक्रवात से वलसाड के किसानों को भारी नुकसान हुआ है। किसान अपनी फसल को बेचकर बड़ी रकम मिलने की उम्मीद लगाए बैठे थे, उसी फसल को अब कोई पानी के मोल लेने को तैयार नहीं है। चीकू और सब्जी की भी यह स्थिति है। वलसाड जिले के किसान 45 हजार हेक्टर में आम और 30 हजार हेक्टर में चीकू पैदा करते हैं। बागायती खेती का फसल बीमा नहीं होने के कारण इसके किसानों को कोई मुआवजा नहीं मिलता। वलसाड जिले में सबसे अधिक नुकसान आम की फसल को हुआ है। आम के झड़ जाने की वजह से किसानों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। किसानोंका जिस फसल आय से सालभर का गुजारा करना होता है उसी में करीब 50 से 10 प्रतिशत का नुकसान हुआ है। आमतौर पर केसर और हाफुस आम 1100 से 1500 रुपए प्रति मन बिकते हैं। लेकिन चक्रवात के कारण आम पेड़ से झड़ गए हैं और इसे कोई रु.100 से रु. 200 में भी खरीदने को तैयार नहीं है। क्योंकि अब आम का अचार बनाने के अलावा और कोई उपयोग नहीं हो सकता।

सूरत शहर कॉंग्रेस सेवा दल द्वारा कलक्टर को आवेदनपत्र दिया गया

सूरत।

शहर में कोरोना महामारी के कारण मिनी लोकडाउन लगाया गया है जिस वजह से पिछले करीब 15 दिनों से कामकाज बंद रहने से लोग बेरोजगार हो गए ,कई परिवारों को अब दो वक्त का भोजन जुटाना भी मुश्किल हो रहा है.काम धंधे बंद रहने से लोग बेरोजगार होकर आर्थिक संकटो का सामना कर रहे सरकार द्वारा गरीब परिवारों को मुफ्त में राशन का अनाज देने की घोषणा की गई इन हालातो को देखते हुए एपीएल कार्ड धारको को भी मुफ्त में राशन का अनाज दिलाने की मांग कर कलक्टर को आवेदनपत्र दिया गया है.

मिली जानकारी के अनुसार सूरत शहर कांग्रेस सेवा दल दवरा जिला कलक्टर को दिए गए आवेदनपत्र के जरिये यह अवगत कराया गया है कि शहर में अघोषित लोकडाउन के कारण कई लोग बेरोजगार हो गये है,लोगो का रोजगार छीन गया है, सैकड़ो परिवार है जिन्हे दो वक्त का भोजन जुटाना भी मुश्किल हो रहा है,बेरोजगारी के कारण लोग आर्थिक संकटो का सामना कर रहे है,वर्तमान में सरकार द्वार गरीब परिवारों के लिए एनएफएसए और बीपीएल राशन कार्ड धारको को मुफ्त में राशन का आनाज देने की घोषणा की गई है.लेकिन जिनके पस एपीएल-1 कार्ड है उन्हें कोई लाभ नहीं मिल रहा है,उनके साथ अन्याय किया जा रहा है,गत वर्ष लोकडाउन में गरीब एवं राशनकार्ड धारको में मुफ्त में अनाज देने की व्यव-स्था की गई थी और उन्हें मुफ्त में अनाज दिया गया था,वर्तमान में भी कोरोना के कहर के कारण अघोषित लोकडाउन है जिस वजह से लोग बेरोजगार हो गये है उन्हें परिवार का भरण पोषण करना भी काफी कठिन हो रहा है इसलिए वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए एपीएल कार्ड धारको को भी मुफ्त में राशन का अनाज दिया जाना चाहिए।इस प्रकार की मांग की गई है।

नवाब मलिक ने महाराष्ट्र के साथ भेदभाव का आरोप लगाया

भावनगर ।

चक्रवाती तूफान तौकते की वजह से गोव, महाराष्ट्र और गुजरात में व्यापक पैमाने पर नुकसान हुआ है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रभावित इलाकों का हवाई निरीक्षण करने के लिए भावनगर पहुंच गए हैं । पीएम मोदी भावनगर, अमरेली और गिर सोमनाथ के तूफान प्रभावित इलाकों का हवाई निरीक्षण किया । लेकिन पीएम मोदी के गुजरात दौरे को लेकर सियासत तेज हो गई है । महाराष्ट्र के मंत्री और एनसीपी नेता नवाब मलिक ने सवाल करते हुए कहा कि तौकते चक्रवाती तूफान की वजह से कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात और दीव में नुकसान हुआ है । तूफान की वजह से महाराष्ट्र के ५ ज़िलों में बड़ी तबाही हुई ।

प्रधानमंत्री आज दीव और गुजरात का हवाई सर्वेक्षण करेंगे । सवाल है कि महाराष्ट्र का हवाई सर्वेक्षण क्यों नहीं किया गया । क्या ये भेदभाव है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के अपने एक दिवसीय दौरे पर भावनगर पहुंचे । मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने उनका स्वागत किया । पीएम मोदी भावनगर, अमरेली और गिर-सोमनाथ और दीव प्रभावित इलाकों की हवाई निगरानी करेंगे ।

इसके बाद वह अहमदाबाद पहुंचेंगे और राज्य में तूफान के बाद की स्थिति और बचाव कार्यों की समीक्षा के लिए अहमदाबाद हवाईअड्डे पर मुख्यमंत्री और अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रभावित इलाकों का दौरा कर वहां हुए नुकसान की जानकारी लेंगे और फिर गुजरात को सहायता मुहैया कराने का ऐलान भी कर सकते हैं । अहमदाबाद में तूफान से हुए नुकसान की समीक्षा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली लौटेंगे ।

खटोदरा में कारखाने में लगी आग,मौके पर मची अफरातफरी

सूरत।

शहर के खटोदरा इलाके में स्थित एक कारखाने में बुधवार सुबह आग लग गई।कारखाने में पत्थर और लकड़ी पर डिजाइन बनाने का काम किया जाता है।कारखाने के अंदर एक ऑफिस है उसी में आग लगने की घटना से मौके पर अफरातफरी मच गई.घटना के बारे में फायर विभाग को जानकारी दी गई जिससे फायर कर्मियो का काफिला घटना स्थल पर पंहुचा और आग बुझाने में जुट गया।

मिली जानकारी के अनुसार खटोदरा स्थित मनहर डाइंग के पीछे रूपल इंडस्ट्रियल सोसाइटी में टेपर इंजीयरिंग नाम से कारखाना है.जहा पत्थर और लकड़ी पर डिजाइन बनाई जाती है। कारखाना दो दिन से बंद था,कारखाने के अंदर एक ऑफिस है,बुधवार सुबह करीब साढ़े दस बजे संचालको ने कारखाना खोला तब अंदर ऑफिस में आग लगी हुई थी और घना धुँआ फैल हुआ था।

जिस वजह से मौके पर अफरातफरी मच गई, घटना के बारे जानकारी दिए जाने पर मानदरवाजा और मजुरागेट फायर स्टेशन से फायर कर्मियो का काफिला घटना स्थल पर पहुंचा फायर कर्मियो ने करीब आधे से एक घण्टे की मशक्कत करके आग बुझाकर घटना पर काबू पा लिया।

गुजरात में चक्रवात तौकते के चलते ४५ लोगों की मौत

अधिकारियों ने बताया कि चक्रवात से सबसे बुरी तरह प्रभावित सौराष्ट्र क्षेत्र में १५ लोगों की मौत हो गई

अहमदाबाद ।

कोरोना महामारी के बीच आए चक्रवाती तूफान ताउते ने गुजरात में कहर बरपाया है । गुजरात के १२ जिलों में चक्रवाती तूफान ताउते के कारण करीब ४५ लोगों को मौत हो गई । अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि चक्रवात से सबसे बुरी तरह प्रभावित सौराष्ट्र क्षेत्र में १५ लोगों की मौत हो गई । यह तूफान सोमवार रात को अत्यधिक भीषण चक्रवाती तूफान के रूप में राज्य के तट से गुजरा और देर रात डेढ़ बजे के आस-पास इसने राज्य में दस्तक दी । राज्य आपदा अभियान केंद्र के एक अधिकारी ने बताया कि चक्रवाती तूफान के कारण गुजरात के भावनगर और गिर सोमनाथ तटीय जिलों में आठ-आठ लोगों की मौत हुई । अधिकारी ने बताया कि अहमदाबाद में पांच, खेड़ा में दो, आनंद, वडोदरा, सूरत, वलसाड, राजकोट, नवसारी और पंचमहल जिलों में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई । अधिकारी ने बताया कि २४ लोगों की मौत तूफान के दौरान दीवारें गिरने की वजह से हुई । वहीं छह लोगों की मौत उन पर पेड़ गिरने से हुई । पांच-पांच लोगों की मौत घर ढहने और करंट लगने से, चार लोगों की मौत छत ढहने से और एक व्यक्ति की मौत टावर गिरने की वजह से हुई । मनोरमा मोहंती, प्रभारी निदेशक, MET, अहमदाबाद ने बताया कि चक्रवाती तूफान राजस्थान पार करके उत्तर प्रदेश होकर चला जाएगा । गुजरात में स्थिति सामान्य है । कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है । अहमदाबाद में बादल रहेंगे, कहीं-कहीं बारिश हो सकती है ।

चक्रवात में एक भी शेर लापता नहीं, समय रहते सुरक्षित स्थानों पर चले गए थे

अहमदाबाद।

गुजरात में तौकते चक्रवात के दौरान शेरों के लापता होने की सोशल मीडिया पर खबरें वायरल होने के बाद वन विभाग ने स्पष्टता की है। वन विभाग ने सोशल मीडिया चल रही खबरों का अफवाह करार देते हुए कहा कि चक्रवात आते देख शेर स्वयं सुरक्षित स्थानों पर चले गए थे। चक्रवात के दौरान एक भी शेर लापता नहीं हुआ। मुख्य वन संरक्षक डीटी वसावा ने बताया कि सौराष्ट्र में मांगरोल से लेकर मुहवा और तलाजा तक के तटीय क्षेत्र को शेरों ने अपना ठिकाना बनाया है। इसके अलावा अमरेली, गिर सोमनथ, जूनागढ़ और भावनगर जिले में शेर बसते हैं।

चक्रवात की चेतावनी मिलते ही तटीय क्षेत्र के शेरों समेत अन्य जिलों में बसने वाले शेरों की सुरक्षा के लिए उनका लगातार मोनिटरिंग किया गया।

मोनिटरिंग के दौरान राजूला क्षेत्र के शेर समुद्र से दूर सुरक्षित स्थानों पर स्वंय ही चले गए थे। उन्होंने बताया कि राजूला, जाफराबाद, ऊना, कोडीनार या महुवा तहसील में तटीय क्षेत्र से एक भी शेर के लापता होने की कोई जानकारी नहीं मिली है। वसावडा ने सोशल मीडिया शेरों के लापता होने की खबरों को निराधार और कोरी अफवाह करार दिया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)